हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

5 सितम्बर, 1985

खण्ड 2, अंक 2

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भाुक्रवार, 27 सितम्बर , 1985

पृश्ठ संख्या

सदस्य द्धारा भापथ/प्रतिज्ञान	(2)1
अताराकित प्र न एवम उत्तर	(2)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र ान एवं उत्तर	(2)23
अताराकित प्र न एवम उत्तर	(2)25
विभिन्न विशयो का उठाया जाना	(2)25
वाक आऊट	(2)37
वैयक्ति स्पश्टीकरण	
श्री श्रीकि ान दास द्धारा	(2)38
(I) मुख्य मंत्री द्धारा पजांब समझौते तथा राज्य की राजधानी के स्थान के चयन तथा सुरक्षा अमले द्धारा विधायको की तला ाी सम्बन्धी	(2)38
(Ii) राजस्व राज्य मंत्री द्धारा जिला महिन्द्रगढ और भिवानी मे फसल के हुए नुकसान सम्बन्धी	(2)46
सप्लीमैटरी एस्टीमेट्स फर्स्ट इन्सटालमैट 1985–86 पर चर्चा तथा मतदान।	(2) 52

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 27 सितम्बर , 1985

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

सदस्य द्वारा भापथ/प्रतिज्ञान

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब 25 सितम्बर, 1985 को हुई बाई इलैक ान मे इलैक्ट हुए मैम्बर्ज की ओथ आफ अफरमे ान अकार्डिग टू कास्टीच्यू ान होगी। श्री श्री कि ान दास।

Shri Sri Krishan Dass, the member who had been returned from 30- Rohtak Assembly constitucency, then made the prescribed oath/affimation of alegiance to the Constitution, signed the roll of members and took his seat in the House.

तारांकित प्र न एवम उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहिबान, अब सवाल होगे । पहला सवाल 1029, श्री राम बिलास भार्मा का है।

Recruitment made by the Haryana State CO-operative Land Development Bank

***1029. Shri Ram Bilas Sharma:** Will the Minister of State for Co-operation be pleases to state-

(a) the total number of employees working at present on permanet, temporary and daily wages basis in the Haryana State Co-operative Land Development Bank, Chandigah separately:

(b) the number of Class IV employees out of the employees referred to in part (a) a above togetherwith the names and permanent addresses thereof;

(c) the category wise number of employees out of the eomloyees mentioned in part (a) above, recruited during the period from May, 1982 to June, 1985; and

(d) the criteria adopted for the recruitment of the employees as referred to in part (c) above ?

श्री अध्यक्षः इसके जवाब के लिए गवर्नमैंट ने एक्सटै ान मांगी है, जो मैने दे दी हैं।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, यह मेरा सवाल है और मुझे इसका जवाब लिखित मे मिला है। इसका जवाब तो गवर्नमैंट ने दे रखा है, फिर एक्सटै ान किस बात को दी गई है ?

श्री अध्यक्षः यह जवाब कम्पलीट नही है। गवर्नमैंट ने 10 दिन की एक्सटैन ान मांगी है, which I have allowed. इस बारे मे सम्बन्धित मंत्री से आया इस प्रकार है—

@ Interim Reply

"D.O No. 216-C-VILL-85/29106

State Minister,

Piara Singh, Cooperation Department
Haryana

Chandigarh

Dated September 26, 1985.

Dear Shri Tara Singh Ji,

Kindly refer to the Starred Assembly Question No. 1029 asked by Shri Ram Bilas Sharma, M.L.A regarding recruitment made by the Haryana State Cooperative Land Development Bank, which is due for answer in the Haryana Vidhan Sabhan on 27-9-1985.

2. In this connection I am to inform you that the desired information is beign collected from the Bank and there is possility for it to tke some more time. It is, thereofore, requested that an extension for 10 days may please be accorded.

With regards

Your Sincerely,

Sd/-

(Piara Singh)

Shri Tara Singh

Speaker, Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh.

तारांकित प्र न सख्या 1034

यह प्र ान पूछा नही गया क्योकि इस समय माननीय सदस्य, चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवाल, सदन मे उपस्थित नही थे।

Mini Stadium at Ballabhgarh

***1021. Shrimati Sharda Rani:** Will the Minister of State for Trasnport be pleases to state-

(a) whether the construction work of a mini stadium at Ballabhgarh is in progress at present together with the date on wchich the said construction work was started: and

(b) If reply to part (a) above is in the affirmative the amout of expenditurs incurred there on to date togerherwith the time by which the constructions thereof is likly to be completed ?

परिवहन राज्य मंत्री(चौधरी चन्दा सिह)

(क) नही।

फिर भी, निर्माण कार्य 20.8.1976 को आरम्भ हुआ और बाद मे यह निमार्ण कार्य बंद कर दिया गया क्योंकि यहां एक बडा स्टेडियम बनाए जाने का निर्णय लिया गया था।

(ख) रूपये 134880.

सं ाोधित परियोजना पर निमार्ण कार्य आरम्भ किया जाना है। अतः इस स्टेडियम को पूर्ण करने पर कितना समया और लगेगा, इसके बारे मे नही बताया जा सकता है।

श्रीमती भाारदा देवीः अध्यक्ष महादेय, मंत्री महोदय ने मेरे प्र ान के (क) भाग का उतर दिया है नही। इससे आगे लिखा है कि इस स्टेडियम का निमार्ण कार्य गति मे था। आप देखे, इन्होने खुद लिया है––

"However, the construction was started on 20-8-1976, but later on it was stopped..."

अध्यक्ष महोदय, मैने अपने सवाल मे यह बात पूछी थी –

"Whether the construction work of a mini stadium at Ballabhgarh is in progress at present...?

इस मे मैने पूछा कि क्या इस स्टेडियम का निमार्ण कार्य अधुरा पडा हुआ है? इन्होने इसका उत्तर दिया नही और इसके आगे यह लिखते है–

''फिर भी निर्माण कार्य 20.8.1976 को आरम्भ हुआ और बाद यह निर्माण कार्य बन्द कर दिया गया, क्योकि यहां एक बडा स्टेडियम बनाये जाने का निर्णय लिया गया था''

अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे एक सबमि ान है कि मेरे सवाल का जो उतर है इसको तोडा मरोडा न जाए, जो सवाल है उसका सही जवाब दिया जाए। इन्होने उतर मे यह बात कही कि निमार्ण कार्य बन्द कर दिया गया। मै जानना चाहती हू इस स्टेडियम के अधूरा रहने के क्या कारण है? यह स्थान बहुत गन्दा है और वहा पर कई अनियमिततांए हो रही है। सारा स्टेडियम बुरी हालत मे पडा है। मंत्री महोदय ने खुद बताया कि इस पर अब तक 138880 रूपया खर्च किया गया। जब इतना पैसा खर्च हो चुका है तो थोडा सा और पैसा खर्च करके इस स्थान को ठीक ढंग से बनाये। इस स्थान पर कबड्डी का खेल हो सकता है, क्योकि यहां पर कबड्डी का बहुत बडा मेला होता है। कबडडी खेलने वाले बच्चो का अभ्यास करवाने के लिए इस स्टेडियम की डिवैल्पमैंट की जा सकती है। क्या मंत्री मंहोदय का इस स्टेडियम को सही ढग से बनाने का कोई इरादा है ?

श्री चौधरी चन्दा सिंहः स्पीकर साहब, जो जमीन वक्फ बोर्ड की पडी थी वह इस स्टेडियम के लिए सरकार ने ले ली है। पैसे की कमी के कारण या किन्ही और कारणो के कारण यह स्टेडियम नही बन सका, वैसे भी यह बहुत पहले का मामला है जिसकी वजह से इसकी स्वीकृति भी लैप्स हो गई थी। फिर दोबार

सैक ान 4 और6 के तहत नोटिफिके ान जारी कर के एक्वायर करने जा रहे है, ज्यो की स्वीकृति मिलेगी एक्वायर कर लेगे। इसके लिए पैसा भी है। इस स्टेडियम को फरीदाबाद कम्पलैक्स और खेल विभाग दोनो मिलकर इसी व्यवस्था ठीक करेगे।सारी औपचारिकताए पूरी करके ही इस पर दोबारा काम भाुरू किया जा सकेगा। यह स्टेडियम भाायद उस वक्त भाुरू किया हुआ था जब भाारदा जी मंत्री थी, लेकिन बाद मे परिस्थितियां बदलती चली गई। अब इस पर तेजी के साथ काम करने और इसकी व्यवस्था ठीक करने के लिए फरीदाबाद कम्पलैक्स और खेल विभाग दोनो जागरूक हैं।

श्री निहाल सिंहः क्या मंत्री महोदय बतायेगे कि जंहा पर स्टेडियम कस्ट्रक्ट किये जाते है, उनकी क्या भार्ते होती है ? स्टेट मे स्टेडियम कस्ट्रक्ट करने का क्या आईटेरिया है? इसके इलावा मिनी स्टेडियम और फुल स्टेडियम मे क्या फर्क है? क्या मिनी स्टेडियम मैम्बर का साईज देख कर बनाये जाते है या भाहर देख कर बनये जाते है ?(हंसी)

चौधरी चन्दा सिंहः स्टेडियम का किसी मैम्ब्र के आकार से कोई मतलब नही है यह तो खुदा जाने वह मैम्बर कैसा बना है। जहा स्टेडियम बनाया जाता है वहा की आव यकता को देखा जाता है आव यकता को देख कर स्टेडियम की भी बनाया जा सकता है इसके लिए गवर्नमैट आफ इडिया और स्टेट गवर्नमैंट दोनो सदन देती है

श्री अध्यक्षः इन्होने तो मिनी स्टेडियम और फूल स्टेडियम का डिफ्रेस है। आप डिफ्रेस बता दीजिए।

चौधरी चन्दा सिंहः जो बडा स्टेंडियम होता है उसकी कौस्ट 50 लाख लगभग आती है और मिनी स्टेडियम 50 हजार रूपये से भी बन जाता है। किसी जगह पर मिनी स्टेडियम बनाने का आईटेरिया यही है कि गांव की पचायत 4 एकड जमीन के साथ 10 हजार रूपया स्टेडियम बनाने के लिए दे दे। इसके बाद जितना खर्चा आयेगा, उसका आधा खर्चा स्टेट गवर्नमैंट और आधा गवर्नमैट आफ इंडिया देगी। यह आईटेरिया जिला स्तर पर खेले विभाग द्धारा स्टेडियम बनाये जाने का है। जिला स्तर पर लोगो के पास इतने साधन नही हैं इस पर्पज के लिए जिला स्टेडियम कमेटी बनाई हुई है जो जिलाधी ा के अधीन है। यह कमेटी जिला स्तर पर स्टेडियम खोलने के लिए साधन जुटाली है। कुछ मदद गवर्नमैंट आफ इडिया देती है। और कुछ स्टेट गवर्नमैंट देती हैं।

चौधरी कुन्दल लालः स्पीकर साहब, सफीदो सब डिवीजन मे खेल विभाग की तरफ से क्या कोई स्टेडियम बनाने का विचार है अगर विचार है तो वह स्टेडियम कब तक बनाया जाएगा ?

चौधरी चंदा सिंहः अध्यक्ष महोदय, हर जगह और हर जिला स्तर पर अपने साधनों के मुताबिक नए स्टेडियम बनाने की योजना है। इनके यहां मै खुद गया था। और इनसे कहा था कि

औपाचारिकतांए पूरी कराएं। अब चूकि इस बारे मे प्र ान नही है इसलिए बाद मे पता करके मै व्यक्तिगत तौर पर इनको सारी स्थिति बता दूंगा।

चौधरी फूल चन्दः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने एलीके ान के हिसाब से ंस्टेडियम ओर मिनी स्टेडियम का डिफरैन्स तो बता दिया लेकिन वे कैपसिटी के हिसाब से भी इनका डिफरैन्स बताएगें ? क्य ये यह भी बतायगे कि प्रान्त मे कहा कहा मिनी स्टेडियम और कहा कहा स्टेडियम बन रह हैं?

चौधरी चन्दा सिंहः स्पीकर साहब, मेने सवाल चुकि बल्लभगढ के बारे मे था इसलिए इस वक्त यह जवाब देना मु कल है।

श्री एस.सी. चौधरीः स्पीरर साहब, मै आपका माध्यम से मत्री महेादय से यह जानना चाहता हू कि क्या सरकार के नोटिस मे यह बात है कि मिनी स्टेडियम, बल्लभगढ की उस जमीन पर जो वक्फ बोर्ड की है और उसमे कब्रे है तथा मुसलमान भाईयों ने उसके बारे मे काफी एतराज किया है? भाायद इसी वजह से वह स्टेडियम नही बन पा रहा है। अगर मंत्री मोहदय इस बात को जानते है तो क्या वे मुसलमान भाईयों की बात को मानेगे और इलाके की जरूरते को पूरा करने के लिए किसी और जगह स्टेडियम का काम तेजी से पूरा करवाएगे ?

चौधरी चन्दा सिंहः अभी तक यह बात मेरे नोटिस मे नही आई है। इसको देख लेगे। हो सकता है देरी के कारणो मे से एक कारण यह भी रहा हो। चौधरी साहब चुकि अब इस बात को मेरे नोटिस मे लाए है, इसको देख लेगे तथा जिस तरह की कार्यवाही करने की आव यकता होगी, सरकार उसे जरूर करेगीं। पहले हो यह काम काफी देर से रूका पडा है। अगर फिर से स्वीकृति लेने की बात हुई तो और देर हो जाएगी।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय मंत्री महोदय ने अभी बताया कि स्टेडियम को बनाने से पहले प्रोजैक्ट स्कीम और साईट प्लैन आदि तैयार की जाती है और उसकी स्वीकृति के बाद काम भारू किया जाता है। इन्होने यह भी बताया कि जिस स्टेडियम की ऐलोके ान 50 रूपये तक हो उसे बडा स्टेडियम कहते है और उसके लिए गवर्नमैंट आफ इडिया और हरियाणा गवर्नमैंट दोनो मदद देते हैं मै मंत्री महोदय जी ने जानना चाहूगा कि क्या इनके नोटिस मे ऐसे कैसिज है जिनमे एक साल तो मिनी स्टेडियम बनाने का काम एक जगह भारू किया जाता है लेकिन नैक्सर ईयर उस जगह को छोड कर उसी भाहर मे दूसरी जगह पैसा देकर काम भारू किया जाता है और तीसरे साल उस जगह को छोडकर काम को पहली जगह ही ि ाफ्ट कर दिया जाता है? इस तरह का एक केस रोहतक का है। मै मंत्री महोदय जी से यह जानना चाहूगां कि इस तरह से साइट बदलने का इनका पैमाना

क्या है? क्या ये काम भाुरू करने से पहले फाईनल फैसला नही ले पाते ?

चौधरी चन्दा सिंहः ऐसा कोई केस मेरे नोटिस मे नही है लेकिन चौधरी साहब जहां के बारे मे कहेगे पता करवा लेगे। स्पीकर साहब, हमारी प्रगति ाील स्टेट है। जहां पहले ब्लौक थे वहां अब तहसील बन गई है, सब डिविजन बन गए है और कई जगह जिले बन गए हैं। यहां पर हर तरह से प्रगति हुई है । सरकार के अधिकारी और जिले का प्र ाासन सारी बातों को देख कर फैसला लेता है। अध्यक्ष महोदय आप जानते है कि जब व्यक्ति काम करता है। और ज्यादा काम करता है तो कई बार उससे भूल भी हो जाती है।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मै तो इनसे केवल इतना जानना चाहता हू कि रोहतक मे पहले साल तो इन्होने एक जगह स्टेडियम बनाने के लिए पैसार दे दिया और दूसरे साल दूसरी जगह के लिए पैसा दे दिया । यह कैसे हो गया ?

श्री अध्यक्षः चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी आप तो काबिल मैम्बर है। आप जानते है कि सवाल बल्लभगढ के बारे मे है। इसलिए ये रोहतक या हिसार के बारे कैसे जवाब दे सकते है ?

Chaudhri Surender Singh: My main question concerns with the project plan.

मुख्य मंत्री चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसका जवाब मै देता हूं रोहतक के बारे मे इन्होने कहा कि पहले साल तो स्टेडियम बनाने के लिए पैसा एक जगह से लिए दिया, लेकिन दूसरे साल किसी और जगह के लिए दे दिया और तीसने साल फिर पहले वाली जगह पर काम कर दिया। स्पकीर साहब, ऐसी बात नही है। रोहतक मे जो सिलैक्ट की गई थी उसी जगह पर काम तेजी से चालू है । मै समझता हू कि वह स्टेडियम 6 महीने मे बनकर तैयार हो जाएगा।

मास्टर ि ाव प्रसादः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने जवाब देते हुए कहा कि बडा स्टेडियम 50 लाख रूपये तक की लागत का होता है और छोटा स्टेडियम 50 हजार रूपये तक की लागत का होता है। क्या वे बताएगे कि यह स्टेडियम छोटा है या बडा है क्योकि इस पर अभी तक 134850 रूपये का खर्च हो चुके है ? क्या ये यह भी बताएगे कि पैसे को ठीक तरह से प्रयोग न करने की जिम्मेवारी किसा पर डालेगे क्योकि माननीय सदस्य ने अभी यहां बताया कि उस स्टेडियम की ऐसी हालात है जिसका जिक्र नही किया जा सकता ?

चौधरी चन्दा सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने अभी कहा है कि ज्यों ही जमीन बगैरा की औपचारिकतांए पूरी होगी यह काम हो जाएगा लेकिन माननीय सदस्य को मै बताना चाहता हूं कि मै मंत्री अब बना हूं यह काम तो सन् 77 से बन्द पडा है। उस समय यहां जनता सरकार थी और मेरे भाई भाायद उसमे थें इनको

भाायद यह भी पता होगा कि स्वीकृति क्यो लैप्स हुई। हमारे आने के बाद तो वक्फ बोर्ड की जमीन ऐक्वायर करने के लिए कार्यवाही भाुरू हुई है। जैसे ही जमीन ऐक्वायर हो जाएगी स्टेडियम बनाने के लिए तारीख भी नि चत कर दी जाएगी। आप जानते है जैसा अभी ए0सी0 चौधरी जी ने कहा कि कई बार लोगो के रिप्रैजैन्टे ान आ जाते है। कई बार लोग मुख्यमंत्री जी से मिल लेते है कि फंला जगह ठीक नही दूसरी जगह स्टेडियम बनना चाहिए। जिलाधी ा पर भी कई लोग दबाव डालते है कि स्टेडियम यहा नही बनना चाहिए। प्रजातंत्र मे लोगो की बातो की तरफ ध्यान देना पडता है ।जिलाधी ा लोगो की रया के मुताबिक साइट मे थोडी बहुत आल्ट्रे ान कर लेता है। इसलिए मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हू कि सरकार की तरफ से काम करने मे कोई ढील नही हैं

श्री फतेह चन्द विजः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने अभी कहा कि रोहतक मे बडी तेजी के साथ काम भाुरू है। क्या ये बताएगे कि यह तेजी एक हफ्ते से ही भाुरू हुई है या उससे पहले भी थी ?

चौधरी भजन लालः मै यह मानता हू कि पहले की जिम्मेवारी भी हमारी है लेकिन आपके नेता ने कभी इसकी चर्चा नही की। अब हमने इन सब बातो को देखा है और 6 महीने के बाद रोहतक की भाक्ल बदल कर दिखाएगे।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक बल्लभगढ के स्टेडियम का सम्बन्ध है अभी चौधरी चन्दा सिंह जी ने बताया कि उसके लिए जमीन एक्वायर करने जा रहे है। मै भी मैम्ब्र्ज की तसल्ली के लिए बता देना चाहता हू कि जमीन बहुत जल्दी ही ऐक्वायर करके काम चालू कर देगे

ताराकित प्र ान स0 1037

श्री अध्यक्षः अगला सवाल सेठ रामदास धमीजा का है। He is not present, so this question is not put.

श्री फतेह चन्द विजः स्पीकर साहब, अभी क्वै चन आवर का पौना घन्टा टाइम रहता है और जिन मैम्बरान ने सवाल पूछा है उन मे से कई नही आये है इसलिए उनके सारे क्वै चन्ज रह जायेगे। अगर आप उन्हे पूछने की परमि ान दे तो ठीक रहेगा। पहले भी ऐसा करते रहे है।

श्री अध्यक्षः विज साहब, आपने तो रूल्ज आफ प्रोसीजर एन्ड कन्डक्ट आफ् बिजनैस की किताब देख रखी है, मुझे उसके मुताबिक ही चलना पडता है अगर आपके पास किसी मैम्बर की अथौरिटी है तो मुझे बता दे, मै इजाजत दे दूंगा वरना नही।

ताराकित प्र ान स0 1037

यह प्र न पूछा नही गया क्योकि इस समय माननीय सदस्य, चौधरी कुलबीर सिंह मलिक सदन में उपस्थित नही थें

ताराकित प्र ान स0 999

यह प्र न पूछा नही गया क्योकि इस समय माननीय सदस्य, डा0 भीम सिंह दहिया सदन में उपस्थित नही थें

Water Connections given under Rural Water Supply Schemes

***1017 Chaudhri Surender Singh:** Will the Minister for Public Works Public Health be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the Government has started giving water connections to the private individuates in their houses under Rural Water supply scheme and

(b) if so, the total number of such connections given in District Bhiwani together with the details of terms and conditions, if any, on which such connections have been given?

जन स्वास्थय मंत्री(श्रीमती प्रसन्नी देवी):

(क) सरकार ग्रामीण जल वितरण योजनाओ के अन्तर्गत निजि पानी के क्नैक ान देती आ रही है।

(ख) 247 अनुबन्ध क पर वह निबन्धन तथा भार्ते जिन पर निजि पानी के कनैक ान स्वीकृत किए जाते है, विधान सभा के पटल पर प्रस्तुत है।

जिन भार्ते पर पानी के निजि कनैक ान दिए जाते है, का ब्यौरा

1. 6 मिलीमीटर से अधिक का फैसले क्नैक ान नही दिया जायेगा।

2. प्रत्येक फैसले कनैक ान का फीस 50 रू0 होगी।

3. फैसले पाईप तथ अन्य सामान का प्रबन्ध उपभोग्ता द्वारा स्वय अपने खर्चे पर करना होगा ।

4. पहले नल के 10 रू0 माह तथा अतिरिक्त दूसरी टूटी के 5 रू0 प्रति मास लिए जाएगे।

एक कनैक ान से दो नलको से अधिक की अुनमति नही दी जायेगी।

5. पानी की खपत का खर्चा त्रैमासिक देना होगा। यदि बिल देने के 30 दिन के अन्दर अन्दर उसका भुगतान न किया गया, तो कनैक ान काट दिया जायेगा।

6. सरकार किसी भी समय बिना कोई कारण बताये पानी का कनैक ान काट सकती है।

7. पानी की खपत 45 एल.पी.सी.डी. से अधिक नही हेानी चाहिए।

8. प्रार्थी को गन्दे पानी की निकासी का प्रबन्ध स्वय करना होगा।

9. प्रार्थी को उपरोक्त निबन्धन एवम भार्तो को पूरा करने के लिए नान जूडि ियल पेपर पर लिख कर देना होगा ।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब मे बताया कि सरकार ने नौ कन्डी ान्ज लेड डाउन की है उनको मध्ेनजर रखते हुए प्राइवेट वाटर कनैक ान्ज दिऐ जाते है । स्पीकर साहब, रूरल वाटर सप्लाई स्कीम के तहह दस लिटर पर कैपिटा पर डे के हिसाब से पानी दिया जाता है। लेकिन इन्होने अपने जवाब मे बताया है कि जिन को प्राईवेट कनैक ानज दिये जाते है उन्हे 45 लीटर पर कैपिटा पर डे के हिसाब से सप्लाई होगी। क्या मंत्री जी बतायेगी कि अगर सभी घर गावो मे यानी जितनी आबादी है, सब के सब प्राइेवेट कनैक ान्ज मांगे तो क्या सरकार डिस्ट्रिक्ट लैबल पर सभी गांव वालों को इन्डीविजुअल लैवल पर कनैक ान दे देगी ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, सारे ही प्राईवेट कनैक ान्ज 1127 के करीब दिये हुए हैं इनमे से 58 को छोड कर बाकी सब के सब हरियाणा बनने से पहले के दिये हुए है। सन् 1966 से अब तक केवल 58 कलैक ान दिय है। विभाग एक चीज के लिए प्रोग्राम बना रहा है कि जहां पर पानी अवेलेबल है और 75 प्रति त लोग इन्डीविजुअल कनैक ान्ज के लिए एप्लाई करते है और गाव की गली मे कीचड बगैरहा ने होने का प्रबन्ध करने और साथ ही अन्दर की फिटिंग का इन्तजाम करना पचांयत मान ले तो सरकार कनैक ान देने का इन्तजाम कर सकती है। सरकार

अभी थोडे से गावों मे एक्सपैरिमैंट करना चाहती है अगर पूरा गांव वाटर कनैक ान के लिए एप्लाई करेगा तो वहा पर प्राथमिकता दी जायेगी। अगर यह एक्सपैरीमैंट कामयाब हो जाये तो फिर जंहा भी जरूरत होगी यानी जहा से भी मांग आयेगी उनको कनैक ान्ज दिये जा सकते है सरकार ने एक चीज महसूस की है और पता तो एक्सपैरीमैंट से लगेगा क्योकि देखभाल का खर्चा काफी हो जाता है अगर 75 परसैन्ट लोग एप्लाई कर दे तो मेनटेनैन्स का खर्चा निकल सकता है। इसलिए एक्सपैरीमैट करने का विचार किया है।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदय से जानना चाहूगा कि इस प्रकार की रिक्वैस्ट या एप्लीके ान्ज कितने गांवो से आयी है। जिनको ये सुविधाये जुटायी जायेगी ?

श्रीमती प्रसन्नी देवी अभी तक मेरे पास सीधी एप्लीके ान्ज नही आई है। कुछ दिन पहले ही डिपार्टमैंट से फैसला किया था कि अलग अलग सर्कल्ज से एप्लीके ानज मंगवा ली जाये। जिन गांव से 75 परसैन्ट लोग एप्लाई कर दे उन गावों के बारे मे जल्दी से जल्दी फैसला करके कनैक ान्ज दे दे। अगर भाई भले राम जी भी ऐसी एप्लीके ानज दिलवायेगे तो प्रायनिटी दे कर वहा भी वाटर कनैक ान करवा देगे। मै समझती हू कि यह सारा तजर्बा होने के बाद ही पता चलेगा कि हम कामयाब रहते है या नही।

चौधरी साहब सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, गावो के बहुत सारे लोग प्राइवेट कनैक ान्ज लेने के तैयार है। क्या मंत्री महोदय बतायेगे कि इसका क्या प्रोसीजर है ? अगर 75 परसैन्ट न लेना चाहे और कुछ लोग चाहे और वे खर्चा भी देने के लिए तैयार हो तो क्या उन्हे प्राइवेट तौर पर कनैक ान्ज मिल जायेगे ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः अगर कुछ लोग ही लेना चाहते है तो उनकी ही सारा खर्च देना पडेगा क्योकि पांच हजार या पाच हजार से ऊपर की पापुले ान का जो गांव है उस की गलियों मे पाइप लाईन बिछा दी जाती है तो छोटे गांव है उनकी पाइप लाईन फिरनी तक ही रह जाती है। इस के आगे कोई भी अकेला आदमी गांव मे पाइप नही ले जा सकता। अगर कोई ऐसा आदमी है जो पाच दस हजार रूपया खर्च कर सकता है और पूरी फिटिंग भी करवा सकता है तो हम उसे कनैक ान्ज दे देगे।?

चौधरी अजमत खाः क्या सरकार ने कोई ऐसे आदे ा जारी किये है कि अगर पाच सौ दरखास्ते आ जाये या 75 प्रति त लोग एप्लाई कर दे तो उन्हे कनैक ान्ज दे देगे ? मेरे हल्के से तीन गांवो की पाच पाच सौ दरखास्ते आयी हुई है क्या उन्हे कनैक ान देगे।

श्रीमती प्रसन्नी देवीः मै सभी मैम्बरान से प्रार्थना करती हू कि अगर व इन्ट्रैस्ट ले कर एप्लीके ान्ज दिलवाये तो हमे खु ाी होगी कि लोग इस स्कीम का पूरा लाभ उठा सकेगे। सब

को कनैक ान मिलने से स्कीम की कामयाबी है और लोग को भी फायदा होता है। अगर कोई इस किस्म के गांव बतायेगे तो हम उनको लोकल एस.ई. और एक्सीयन को कह कर इस स्कीम मे भाामिल कर लेगे लेकिन यह मैने पहले ही बताया है कि हम ऐसा एक्सपैरीमैंट करना चाहते है।अगर एक्सपैरीमैंट कामयाब रहा तो स्कीम पूरी तरह इम्पलीमैंट करेगे।

मुख्य मंत्री चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जहां तक पीने के पानी का ताल्लुक है, हम सारी स्टेट मे सारे गावो मे दे नही सकते। अगर हम इस तरह से सारी स्टेट मे पानी देते है तो जितनी हमारी योजना है और सौ गांवो मे पानी देने की, वह हम दे नही सकते। इस तरह से तो हम चार सौ गांवो को भी नही दे पायेगे। अगर हम ऐसा करेगे तो हम डब्ल कैपेस्टिी बनानी पडती है। गावों मे सीवरेज लगाना होगा, पाइप लाईन बिछाने होगे और सीवरेज नही बिछाते है तो किचड होगा और मच्छर पैदा होगा जिससे बिमारी फैलती है। इसलिए एक्सपैरीमैंट हम वहा करे जहा नई वाटर सप्लाई स्कीम चालू होनी है। अगर वहा पर लोग एप्लाई कर देगे तो वहा की कैपसिटी के मुताबिक बनायेगे। अब हम गावों मे 10 लिटर पानी प्रति व्यक्ति के हिसाब से देते है। अगर घरों मे नलका लागयेगे तो चालीस या पचास लीटर पानी देना होगा। अभी एक माननीय सदस्य ने सवाल भी पूछा कि अगर किसी गांव से पाच सौ एप्लीके ान आ जाती है और पानी की कैपेसिटी थोडी है तो हम कहा से उन्हे पानी देगे। अगर उस गांव

मे हम पानी दे देते है तो साथ के चार और गांव है, उनको दस लीटर के हिसाब से पानी नही दे पायेगे। इसलिए वह एक्सपैरीमैंट उन गावो मे किया जायेगा जहा नयी वाटर सप्लाई स्कीम चालू करनी है। सन 1966 के बाद हमने केवल प्राइवेट कनैक ान्ज दिए है और वे भी उस ग्राउन्डज पर दिये है कि कोई फोजी रिटायर हो कर आया है और उसका बारह मकान पडता है या कोई बीमार आदमी है जो बाहर नही जा सकता या जिसके बिल्कुल साथ ही लाईन पडती है उसे दिए है स्पै ल केस मे दिये है, जनरल देने की कोई बात नही है हमारी योजना है कि आने वाले तीन सालों मे प्रदे ा मे कोई ऐसा गांव नही रहेगा जहा का पानी खराब हो और वहा पीने का पानी न पहुचा हो, हम ऐसे गावों मे मीठा पानी पहुचाने चाहते है जब ऐसे सभी गांवो मे तीन साल मे पानी पहुचा दिया जायेगा, उसके बाद जो बडें बडे गावं है, वहा घरो मे पानी दिया जायेगा और उसके साथ साथ सीवरेज का भी प्रबन्ध किया जायेगा।

श्री देवी दासः अध्यक्ष महोदय, अभी मिनिस्टर महोदया ने कहा है कि पांच हजार की जनसख्या वाले या उससे ऊपर की जनसख्या वाले गावों मे पाइप लाईन बिछाई जायेगी। मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि क्या उन छोटे गावो मे पाइप लाईन नही बिछाई जायेगी। जहा पाच हजार से कम आबादी है?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः मेरा कहने का मतलब यह है कि छोटे गांव तो उनकी फिरनी से कवर हो जाते है और बडे गावो मे

पाइप लाईन बिछानी पडती है सब जगह पाईप लाईन बिछाते है लेकिन गलियों पक्की न होने के कारण कीचड भी हो जाता है। छोटे गावों से चारो तरफ साथ साथ लाईन बिछा देते है और जो गांव दस हजार या पांच हजार से ऊपर की आबादी के है, उनके अन्दर पाईप लाईन बिछानी पडती है। क्योकि वहां से फासला एक या दो किलोमीटर का हो जाता है।

श्री निहाल सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने वाटर सप्लाई के बारे मे पालिसी बतायी है। मै उस बारे मे मुख्यमंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि कई जगहो पर छोटे छोटे गावों को मिलाकर स्कीम्ज बनायी गयी है। कहने का मतलब यह है कि 10.12.15 गावों का मिलाकर एक स्कीम बनायी गयी है उसने उनको पाईप्ड वाटर सप्लाई मिलती है। इसका नतीजा यह होता है कि हमारी डिस्ट्रिक्ट मे जो टेल के गांव है, उनमे पानी पहुचता ही नही है। मेरा कहना यह है कि इस बात की बजाये कि इस स्कीम पर ज्यादा जोर दिया जाये, जिन गांवो मे मीठा पानी अवेलेबल है वहा पर उन गावों को पाईप्ड वाटर सप्लाई से जोडने की बजाये वहा पर जो कुए है उन पर टैक बगैरा बनारक पब्लिक हैल्थ की तरफ से लोकली पानी सप्लाई किया जाये। मै मुख्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहूगा कि क्या वे इस स्कीम को रिवाईज करके इस बारे मे गौर करेगे कि जहां पर मीठा पानी अवेलेबल है वहा पर टैक बनारक पानी सप्लाई किया जाये?अब यह होता है कि

जो गांव टेल पर है, उन मे एक घटा तो क्या 15 मिनट तक भी पानी नही आता ।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, राव साहब भी भली भाति जानते है कि अभी तक हमने जो वाटर सप्लाई की स्कीम बनायी है यह केवल उन्ही एरियाज के लिए बनायी है जहा पर मीठा पानी अवेलेबल नही था। जहा परनहर का पानी अवेलेबल था यह स्कीम उन एरियाज पर एप्लीकेबल नही है। जहा पर नहर का पानी अवेलेबल नही था। हमने वहा पर वाटर स्पलाई स्कीम बनाकर मीठा पानी सप्लाई करने की कोि ा ा की है ताकि लोगो तक पानी पहुचाया जा सके। जहा तक मीठा पानी जमीन के नीचे अवेलेबल होने का ताल्लुक है ऐसे एरियाज मे जो बात राव साहब ने कही है ध्यान रखेगे।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, वाटर सप्लाई स्कीम के तहत जितने टैक बने हुए है उनकी सफाई की और पूरा ध्यान नही दिया जाता। मेरे हल्के मे फल्ड एफैक्टिड एरिया मे एक गांव थिलौड है। इसमे बरसाता का गन्दा पानी मिक्स हो जाता है क्या मंत्री महोदया इस बात का यकिन दिलायेगी कि एक महीने मे दो महीने मे या तीन महीने मे एक बार टैक की सफाई अव य हो जाया करेगी ताकि उस पानी मे कोई बीमारी न हो ?

श्रीमती प्रस्ननी देवीः स्पीकर साहब, हम सफाई का ध्यान रखते है और सफाई करते रहते है। आनरेबल मैम्बर के

नोटिस मे अगर कोई ऐसी पार्टीकुलर जगह हो जहा पर सफाई न होती तो हम बताये हम सफाई करवा देगे।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जो बात मुख्यमंत्री महोदय ने बतायी है वह प्रैक्टिकल है। अभी जो आपने स्कीमज फारमुलेट की है वह तो 10 लिटर के हिसाब से बनायी है उन स्कीम्ज मे पानी इतना अवेलेबल नही है कि आप घरो मे कनैक ान दे दे। इसलिए मै मुख्य मंत्री महोदय से यह बताना जानना चाहता हू कि जो टर्म्ज एण्ड कडि ान्ज प्राइवेट कैन्क ान लेने के लिए आपने लेड डाउन कर रखी है .....(व्यवधान एवम भाोर)

Mr. Speaker: Why not from the Minister?

Chaudhri Surender Singh: Any way, can pass it on to the Minister. .....(व्यवधान एवम भाोर) वे कडी ान्ज फिर चेज करनी पडगी यह टर्म्ज एण्ड कडि ान्ज प्राइवेट कैन्क ान ऐसी है जो हरेक आदमी पूरी करेगा और यह कहेगा कि आप उसको प्राइवेट कनैक ान दो। आपने यह कही नही लिखा है कि घर से दूर कनैक ान हो इस बात को मध्नजर रखते हुए उसको कनैक ान मिल जायेगा। अगर हरेक आदमी नान जुडीि ायल पेपर पर एप्लाई करेगा तो Government is bound to provide the water connection क्या टर्म्ज एण्ड कडि ान्ज को बदलेगे।

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, जैसे मैने अभी बताया है कि 1966 से लेकर अज तक केवल 58 आदमियों को ही

सारा स्टेट मे प्राईवेट कनैक ान दिये गये है इनमे भी ज्यादातर विकालांग है या कोई आदमी मिलिट्री मे था । उनके मां बाप बूढे है या उनका घर गांव से बाहर है, ऐसे केवल 58 आदमियों को ही कनैक ान दिया गया है।

चौधरी फूल चन्दः स्पीकर साहब, ऐसा जवाब कि तीन साल के अन्दर सारे गावों मे पीने के पानी की समस्या को हल कर देगे, स्वागत योग्य जवाब है। मैने पिछले सै ान मे भी यह सवाल उठाया था कि जो सर्वे किया हुआ है उसमे बहुत सारे प्रोब्लम विलेजिज ऐसे है जिनको प्रोब्लम विलेजिज नही दिखाया गया है मंत्री महोदय ने उस समय यह आ वासन दिया था कि हम इन गावों का री सर्वे करवा लिया है अगर हा तो उस री सर्वे मे जो प्रोब्लम विलेजिज साबित हुए है उसमे पीने के पानी की व्यवस्था कब तक कर देगे?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, हमने दोबारा सर्वे करवा लिया है और केस भारत सरकार को भेजा हुआ है। हमे उम्मीद है कि भारत सरकार की तरफ से हमे उन एडी ानल प्रोब्लम विलेजिज के लिए मदद मिलेगी। अभी वहां से केस वापिस आया नही है हमे पूर उम्मीद है क्योकि भारत सरकार और हरियाणा सरकार दोनो ही पूरी तरह से इसके लिए चिन्तित है।

श्री अध्यक्षः मैडम, बात ऐसे है कि हमारे यहां कुछ जगह ऐसी है जहां पर पानी तो मीठा है लेकिन वहा पर अगर

नलका लगाये तो 6 महीने मे ही उसकी पाई खत्म हो जाती है। आपको यह भी पता है कि एक नलका लगाने मे 4–5 हजार रूपये लग जाते हैं आम आदमी की इतनी कैपसिटी नही होती कि वह साल मे दोबारा नलका लगावा सके। इसके बारे मे सरकार क्या सोच रही है?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, सारी स्टेट मे बहुत थोडा एरिया ऐसा है जैसा आपने बताया है।

श्री अध्यक्षः भााहबाद हल्के मे कम से कम 50 गांव ऐसे है जहां पर यह दिक्कत है।

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, आपकी बात ठीक है करनाल और कुरूक्षेत्र मे कुछ एरिया ऐसा है जहां पर नीचे का पानी मीठा है। जहां तक इन एरियाज के लिए कुछ करने की बात का ताल्लुक है उसके लिए मै यह बताना चाहती हू कि तीन प्रायरिटीज बनी हुई है। सबसे पहले तो प्रोब्लम विलेजिज को लेगे फिर एडी ानल प्रोब्लम विलेजिज को लेगे और उसके बाद हम नान प्रोब्लम विलेजिज को लेगें हमारी यह कोि ा ा है कि हम जल्दी से जल्दी हर गांव मे मीठे पानी उपलब्ध करवाये। पिछले साल मे हमने 810 गाव कवर किये है और इस साल 506 गांव रखे है, हमे यह उम्मीद है कि इस योजना के अन्त तक हम सब को मीठा पानी उपलब्ध करवा पायेगे।

श्री अध्यक्षः जितनी भी आपके टैप गावो मे लगे हुए है वे इन्फएू ि ायल आदमियों के घरों के नजदीक लगे हुए है वे टैप्स बैकवर्ड और हरिजन बस्तियों पानी नही देते। हर जगर यह बडी भारी कम्पर्लेट है।

श्रीमती प्रसन्नी देवीः इस संबध मे मैने पिछले महीने अपने डिपार्टमैंट के अधिकारियों के साथ एक मीटिंग की थी। उसमे मैने यह आदे ा दिये थे कि हरेक गांव मे यह देखे कि जा पर हरिजन बस्तिया मे प्वायटस नही लगे हए, वहा तुरन्त लगाये जाये। अगर हो सके तो पचांयत से कोआप्रे ान लेकर वहा पर छोटा टैक भी बना दे। कहने का मतलब यह है कि हम हरिजन बस्तियो के लिये पानी का इन्तजाम कर रहे है। हमारी सरकार इस बारे मे पूरी तरह से सीरियस है।

श्री एस.सी. चौधरीः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय ने बडी ही वाजिब बता कही है कि यह फिजीबल नही होगा कि हर जगह पर प्राइवेट कनैक ान दिये जाये। कई ऐसी जगहे है जहा पर स्कीम तो 10 लिटर पर कैपिटा पर डे के हिसाब से बना रखी है लेकिन गावों मे 10 लिटर के हिसाब से पानी पहुचता ही नही है । कई सालो की एक स्कीम बनी पडी है जिसका ना सीकरी स्कीम हैं । पिछले साल भी मेरे सवाल के जवाब मे सरकार ने यह कहा था कि वहा पर बहुत जल्दी ही एक बूस्टर लगा दिया जायेगा। मै यह जानना चाहता हू कि इस बात को ध्यान मे रखते हुए कि आजकल स्टेट मे इडट्रेलाईजे ान बडी

तेजी से हो रही है, हर देहात का भाई चाहे वह सैमी अर्बन या विलेजिज मे रह रहा है, वह चाहता है कि वह भी भाहर के बराबर की सहूलियते हासिल कर सके, उस सीकरी स्कीम को जो कि 10 लिटर के हिसाब से बनायी गयी थी, उसको पूरी तरह से कामयाब किया जायेगा क्या इस बारे मे मंत्री महोदया कोई वाजिब जवाब देगी ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, मेरे नोटिस मे तो ऐसी स्पैसिफिक बात कोई नही है कि कोई स्कीम पूर हो और वह 10 लिटर पानी भी नही दे पाती हो । इस बात के लिये सरकार आलरेडी काम कर रही है जैसे कोई 10 गावों की एक ग्रिड है वहा पर टेल के गावें तक पानी पहुचाने के लिए हमने जनरेटर लगाने के आर्डर भी दिय हुये है। अगर कोई स्पैसिफिक गांव की बात इनके नोटिस मे हो तो वह हमे बतायें, हम जरूरत के मुताबिक इंतजाम करने की पूरी कोि ा ा करेगे।

श्री एस.सी. चौधरीः स्पीकर साहब, मेरा सीधा सा प्र न है वाटर सप्लाई स्कीम जो बल्लभगढ सब डिवीजन से होकर फरीदाबाद के गावों की कवर करती है, वहा रिजर्वायर बनाने की बता थी। पिछले साल भी वह वायदा किया गया था कि वहा पर बूस्टर लगाकर रिजर्वायर मे पानी रखने का इन्तजाम किया जायेगा, क्योकि वहा पर कई इलाके ऐसे है जहा पानी पहुचाते ही नही है। मै यह पूछना चाहता हू कि सीकरी की स्कीम मे इतनी डिले क्यो की जा रही है। क्या इस काम को जल्दी से पूरा कराया जायेगा ?

यह स्कीम हुई पडी है 13 लाख रूपये का एस्टीमैंट भी पास हुआ पडा है।

श्रीमती प्रसन्नी देवीः असल मे क्वै चन तो प्राइवेट कनैक ान्ज का था। अब इस समय मेरे पास हरेक गांव की स्कीम का तो रिकार्ड नही है, मै आदरणीय मैम्बर को बाद मे पता करके अव य बता दूंगी।

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, मै आपका द्धारा सरकार के नोटिस मे लाना चाहता हू कि हरियाणा मे वाटर सप्लाई का प्रोगाम एक डिकेड से चल रहा है लेकिन जिन गावों मे वाटर सप्लाई का काम पूरा हो चूका है वहा उनकी मेटींीनेस का कोई इत्जाम सरकार की और से नही हैं मिनिस्टर महोदया ने अभी कहा है कि अगर कही कोई कमी है तो वह सरकार के नोटिस मे लाए उस कमी को दूर किया जाएगा । स्पीकर साहब मोरनी मे वाटर सप्लाई की स्कीम पर 1.10 करोड रूपया खर्च किया जा चुका है और अगर पांच चार लाख रूपया और खर्च कर दिया जाए तो उस वाटर सप्लाई से पन्द्रह हजार आदमी फायदा उठा सकते है। पांच चार लाख रूपये खर्च न करने की वजह से पिछले दो साल से यह स्कीम बेकार पडी हुई है क्या मुंख्यमंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि किन वजुहात से वह स्कीम पूरी नही हो रही है, क्या उन आफिसर्ज के खिलाफ कार्यवाही करेगे जिन्होने सरकार का एक करोड से भी ज्यादा रूपया खराब कर दिया है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय माननीय सदस्य ने अभी बताया है कि उस स्कीम पर एक करोड रूपये से भी ज्यादा सरकार का खर्च हो चुका है और पांच सात लाख रूपए की वजह से वह स्कीम अधुरी पडी है और लोगो को पानी नही पहुचा है । माननीय से पहले इस बात का जिक्र नही किया आज ही बताया है. .....

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, मैने पिछले सै ान मे जिक्र किया था।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब अगर उस स्कीम पर एक करोड से ऊपर रूपया खर्च हो चुका है और सिर्फ पांच सात लाख की बात है तो अगले सै ान तक यानी छ महीने के अन्दर उसको पूरा कर देगे। स्पीकर साहब, अगर बीस लाख रूपए खर्च करके भी वह स्कीम पूरी होती है तो हम उसको अगले छ महीने मे पूरा कर देगे।

स्पीकर साहब, दूसरी बात श्री एस.सी. चौधरी ने कही कि उनके यंहा कोई वाटर सप्लाई की स्कीम तेहर लाख की है, वह पूरी नही हुई है। मै सदन मे बताना चाहता हू कि हम तेरह लाख रूपया देकर छ महीने के अन्दर उस स्कीम को पूर कर देगे।

अध्यक्ष महोदय, आपने यह कहा कि गरीब आदमियों के मोहल्लो मे पानी की टूटी नही है, बडे बडे आदमी अपने घरो के सामने टूटी लगवा लेते है जिससे गरीब आदमियों को पानी नही

मिलता । अध्यक्ष महोदय हमने बाकायद सारी स्टेट मे हिदायत और सर्कुलर जारी किए हुए है कि जहा कही बीस पच्चीस घरो का मौहल्ला है वहा पर एक टूटी लगनी चाहिए। आपकी बात के बारे मे चैक करवा लेगे और जंहा कही टूटी नही है वहा हर हालत मे छ महीने के अन्दर काम पूरा करवा दिया जाएगा। अगर कोई ि ाकायत या कमी रह जाती है तो मै माननीय सदस्यों मे प्रार्थना करूंगा कि वे सरकार को नोटिस मे लाए।

श्री अध्यक्षः मै आप के नोटिस मे एक बात लाना चाहता हू कुछ भाहरो मे यह हालत है कि जो इफिलूऐ ान आदमी है वे नीचे से पम्प लगाकर ऊपर टै कमे पानी भर लेते है और उनके यहा सारा दिन पानी चलता रहता है इस वजह से जो दूसरे गरीब आदमी मोहल्लो मे रहते है उनको पानी नही मिलता। इन लोगो के खिलाफ अफसरान भी कोई ऐक ान नही लेते या तो वे डरते है या कुछ और खास बात है।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, हो सकता है कुछ घरो मे ऐसा होगा हम चैक करवा लेगे । कुछ लोग मीटर फिट करवा कर पम्प मे अपने टैक मे पानी डलवा लेते है और उसका यूज करते है और दूसरे पानी का भी यूज करते रहते है जो आपने का है उसकी हम चैकिग करवाएगे।

Loss Sufferred by Haryana Dairy Development Corporation

***1030 Shri Ram Bilas Sharam:** Will the Minister of State for Dairy Development be pleased to State-

(a) whether any decision for the winding up of Haryana Dairy Development Corporation has been taken; and

(b) if so, the date of the said decision together with the time by which the decision referred to above is likely to be implemented>

डेरी विकास राज्य मंत्री (श्री जसवत सिंह चौहान):

(क) नही जी

(ख) उत्पन्न नही होता ।

श्री राम बिलास भार्मा: क्या मंत्री महोदय बताने का कृपा करेगे कि हरियाणा डेरी डिवेल्पमैंट कार्पोरे ान इस समय कितने घाटे मे या मुनाफे मे चल रही है? स्पीकर साहब, एक बार ऐस्टीमेंट कमेटी ने एक सर्वे किया था। जो कोआप्रे ान डिपार्टमैंट के सेक्रेटरी है, उन्होने बताया था कि डेरी डिवेल्पमैंट कार्पोरे ान लगातार लाखो रूपए के घाटे मे जा रही है और इसको वाइउ अप करने जा रहे है वाइउ अप इसलिए नही किया जा रहा है कि इसका औडिट नही हुआ है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि इसको कब वाइड अप किया जाएगा?

श्री जसवन्त सिंह चौहान: स्पीकर साहब, पहली बात तो यह है कि हमारे एम.एल.ए. साहब को डेरी विकास निगम के बारे मे पता ही नही है। वे कौन सी बात पूछ रहे है यह वे जानते ही

नही। स्पीकर साहब, डेरी विकास निगम ने अपने प्लाअ और प्रोपर्टी को जा उसकी लिखित कीमत थी उसको दस फीसदी लीज पर फैडरे ान को दिया हुआ है। जो निगम का स्टाफ था उसको भी इस फैडरे ान को सौप दिया है। एम.डी. फैडरे ान और निगम दोनो का काम करता है। अध्यक्ष महोदय कार्पोरे ान ने कई जगहो से कर्जा लिया हुआ है उसको फैडरे ान मे तबदील करने की मन्जूरी ले रहे है। ज्यों ज्यो मन्जूरी मिल जाएगी त्यो त्यों हम उसको फैडरे ान मे तबदील करते जायेगे। बोर्ड आफ डायरेक्टर्ज ने फैसला लिया है कि कार्पोरे ान का जो नफा नुकसान है वह फैडरे ान को दिया जाएगा।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय जी ने यह बताया है कि कार्पेरे ान तो नही चहल रही है फैडरे ान चल रही है। डेरी डिवेलपमैंट कार्पोरे ान बन्द हो गई है फैडरे ान इज रनिंग और कार्पोरे ान के प्लांट और म ाीनरी का पट्टा फैडरे ान को दे दिया है अध्यक्ष महोदय, फैडरे ान मे सारा स्टाफ कार्पोरे ान का है और दोनो का एडमिनिस्ट्रे ान एक है सिर्फ नाम ही चेन्जड है। क्या मत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि क्या कारण थे जिनकी वजह से कार्पोरे ान को फैडरे ान मे तबदील किया गया था ?

श्री जसवन्त सिंह चौहान: स्पीकर साहब, अभी मैने बताया है कि निगम को फैडरे ान को दे दिया है। स्पीकर साहब, नुकसान का कारण यह था कि हमने तीन ऐजन्सियों से एक तो

सरकार ने दूसरे बैक्स से और तीसरे इडियन डेरी कार्पोरे ान से कर्जा लिया हुआ था। हम उस पैसे का ब्याज भी नही दे पा रहे है और हमार खर्चा पूरा नही हो रहा था इस विशय को फैडरैन ा को पट्टे पर दे दिया गया है इस वजह से कार्पोरे ान को फैडरे ान मे बदलना पडा है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा डेरी विकास निगम को 1977 मे 35 लाख रूपये सालाना के हिसाब से फैडरे ान को लीज पर दिया गया था। क्योकि निगम को चलाने के लिये बहुत सी सस्थाओ पैसा नही देती थी, इसलिये इस निगम को लीज पर फैडरे ान को देना पडा था। अब 35 लाख रूपया सालाना फैडरे ान कारर्पोरे ान को देती है। जहां तक इसके नफे और नुकसान का सवाल है, तकरीबन 31 लाख रूपया सालाना नुकसान भी हो जाता है। मिल्क प्लांट का मकसद प्रोफिट कमाना नही है। किसानों की सुविधा देने के लिये, किसानो का दूध ठीक भाव पर बिक जाए, किसानो की हालत ठीक रहे और किसी तरह की किसानो की दिक्कत न हो, इन सभी बातो को देखने के लिये यह सस्था काम कर रही है इसलिए इन सभी बातो को देखते हुए इसमे घाटा भी हो सकता है लेकिन इस घाटे का घाटा नही मानना चाहिये। अध्यक्ष महोदय आप अच्छी तरह से जानते है कि हरियाणा के अन्दर सभी भ्ागर मिल्ज घाटे मे चल रही है लेकिन सरकार ने किसानो के हितो को हर लिहाज से सामने रखा है। किसानों के गन्ने का भाव उनको सही देना पडता है, इसलिए सभी

भुगर मिल्ज घाटे मे चल रही है। अत इसमे घाटे वाली ऐसी कोई बात नही है। केवल 31 लाख रूपया सालाना का घाटा हैं। मै यहां हाउस मे यह भी बता देना चाहता हू कि अभी इस निगम को बन्द करने का सरकार का कोई ऐसा विचार नही है। सिर्फ फैडरे ान को हमने लीज पर दिया हुआ है। अगर फैडरे ान का काम ठीक चलता रहेगा तो ठीक है। अगर फैडरे ान का काम सही नही होगा तो इसको वापिस निगम के पास भी लिया जा सकता है।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, जैसा कि अभी मुख्यमंत्री महोदय जी ने बताया कि ये फैडरे ान किसानों की भलाई के लिये, किसानों की सुविधा के लिये काम कर रही है। क्या वे बताएगे कि किसानों कि फैडरे ान की तरफ दूध का कितना पैसा बकाया है?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय हमने एक फैसला किया है कि हर हफते दूध की पेमैट किसानो को होनी चाहिये। हम हर हफते दूध की पैमट किसानो को करते भी है। अगर माननीय सदस्य के नोटिस मे कोई बात हो कि फला जगह पर दूध का पैसा किसानों को नही दिया गया है। तो वे हमारे नोटिस मे लांए हम हर हालत मे दूध की कीमत अदा करवाएंग।

Opening of Schools in Sector 22 end 23 of Faridabad

***1030 Shrimati Sharda Rani:** Will the Minister of State for Edcuation be pleased to State-

(a) wheather it is a fact that school buildings have not been construted in any fo the colonies set up by the Housing Board in the State and

(b) if so, wheather there is any proposal under consideration of the Government to construted the school buildings in all the above said colonics particularly in Sector 22 and 23 of Faridabad?

Minister of State for Education Shri Jagdish Nehru:

(a) School buildings have not been constructed by the Housing Board for the Education Departmetn in such colonies for exculsive use of Housing Board Colonies.

(b) There is no proposal under consideration with the Education Department for constructing school buildings in Housing Board colonies. However a Government Branch of Primary School is running in sector 22 Housing Board Colony Faridabad in a building provided by the Water Association.

श्रीमती भाादरा रानीः अध्यक्ष महोदय मेरा यह सवाल ि ाक्षा एवम हाउसिंग बोर्ड से सम्बन्धित है। क्या मंत्री महोदय यह बताएगे कि ऐजुके ान विभाग का स्कूल बिलडिगज बनाने का कोई इरादा है ? क्या सरकार की कोई ऐसी पालिसी है जिसके तहत हाउसिंग बोर्ड के अन्दर जो लोग रहते है उन्हे भी ि ाक्षा दी जाए या उन्हे अि ाक्षित रखने का ही सरकार का इरादा है ? वे बहुत ही कमजारे लोग होते है। 20 सालों मे तो वे अपने छोटे छोटे मकानों की कि ते ही दे पाते है। अगर वे अपने जुगाड से

स्कूल की अपनी बिलडिंग बनाते भी है तो आप सोचगे कि कितने दिनों मे वे चन्दे का पैसा जमा करेगे जिससे ऐडीक्वेट स्कूल की बिलडिगंज बन सकेगी। जब तक वे ऐसा नही कर पाते है तब तक क्या वहा के लोगो को अ ाक्षित रखने का इरादा है?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, लोगो को अ ाक्षित रखने की ऐसी कोई बात नही है। इन्होने कहा कि हाउसिंग बोर्ड के अन्दर ि ाक्षा का कोई प्रावधान नही है लेकिन अब जो नये प्लान हाउसिंग बोर्ड के बने है, उनम यह प्रावधान किया गया है जैसा कि भिवानी और फरीदाबाद वगैरहा मे है। जंहा तक फरीदाबाद के सैक्टर 22 और 23 का सवाल है, वहा आलरेडी एक प्राईमरी स्कूल चल रहा है। इसके साथ मे एक किलोमीटर की दूरी पर सारन नामक गांव है वहां भी प्राईमरी स्कूल है इसके इलावा 6 अन रिक्गनाईजड स्कूल भी चल रहे है। ि ाक्षा की ऐसी कोई दिक्कत नही है कि वहां पर कोई स्कूल न हो या एक किलोमीटर से दूर बच्चो को जाना पडता हो।

श्रीमती भारदा रानीः सर, आप जानते है कि जो दूसरे स्कूलज होते हे वे तो एक तरह की भाप्स ही होते है। इनम ज्यादातर लोग अपने बच्चो को नही भेजते जहां तक गावों का सवाल है जैसा कि इन्होने बताया है आप जानते है फरीदाबाद कम्पलैक्स के गावों की पापूले ान बाहर से आये हुए लोगो के कारण बहुत ज्यादा बढ गयी है। उनके पास अपना ही बिलडिगज इन ऐडीकवेट है। इस बारे मे मंत्री जी पता भी करवा ले कि उस

गांव को अपनी बिलडिगज कितनी इन एडीकवेट है इस स्कूल को दूसरी जगह बनाने की आव यकता है इन्होने यह भी कहा है कि कुछ नही कालोनीज है जो भिवानी और हिसार वगैरह मे बना रहे है लेकिन जो पुरानी कालोनीज है क्या उनमे भी सरकार कोई ऐसा प्रावधान कर रही है जो कालोनीज आलरेडी बनी हुई है क्या उसमे ि ाक्षा देने और स्कूल बिलडिग्ज बनाने के लिए सरकार कोई प्रावधान कर रही है। साथ मे मंत्री महोदय ने कहा कि सैक्टर 22 मे एक स्कूल ि ाक्षा विभाग ने चलाया हुआ है इसमे हमे कोई सन्देह नही है लेकिन यह बिलडिग इन ऐडीकवेट है क्या वहा पर सरकार का कोई नयी बिलडिंग बनाने का विचार है ? पहली बिलडिंग भी इन्हे खाली करनी पड रही है वे अब टीन वगैरहा डाल कर किसी तरह से अपना जुगाड कर रहे है लेकिन वह जुगाड भी नही हो पा रहा है। जैसे सैक्टर 23 है, उस जगह पर बिलडिंग का प्रावधान करने की आव यकता है। क्या सरकार इस तरफ ध्यान देगी ?

श्री जगदी ा नेहरू: अध्यक्ष महोदय जो कालोनी पहले की बनी हुई है उनमे यह प्रावधान नही था। अब यदि एक किलोमीटर से दूर जाना पडेगा तो जहा ये कहेगे हम प्रावधान कर देगे और स्कूल खोल देगे। जंहा तक दूसरी स्थिति का ताल्लुक है हाउसिंग कालोनी जो अब सोनीपत मे, फेज 1 और 2 मे, वीयर्ज कालोनी पानीपत मे, नूह मे अम्बाला कैट मे बन रही है, उन मे यह प्रावधान किया है हाउिसंग बोर्ड की छोटी कालोनीज मे स्कूल का

प्रावधान इसलिए नही किया क्यांकि वहां पर आलरेडी नजदीक मे स्कूल चल रहे है जैसे सैक्टर 22 मे एक प्राइमरी स्कूल नजदीक ही चल रहा है। और 6 अनरिकगनाइजड स्कूल और भी चल रहे है जहां पर आव यकता होती है वहां पर यह प्रवाधान किया जाता है लेकिन जंहा आव यकता नही होती वहां स्कूल नही खोला जाता।

श्री ए.सी. चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके मारफत ि ाक्षा मंत्री महोदय की तवव्जो दिलाना चाहता हू कि सैक्टर 22 जिसका ये जिकर कर रहे है वहां के कुछ लोगो ने चन्दा इकटठा करके और वहा के लोकल कम्पलैक्स ने पैसा देकर के पार्क मे छोटे छोटे बनाए हुए है जिनकी छते बहुत टपकती है वह कालोनी बहुत बडी है अगर वहा हायर सैकण्डरी स्कूल भी खोला जाए तो भाायद वह स्कूल भी सौफाइस नही होगा। उसके साथ ही सैक्टर 22 और 23 के पीछे 10 हजार झुग्गिया है जहा कोई स्कूल नही है जो स्कूल है उसमे बच्चे इसलिए दाखिला नही ले पाते क्यो कि उसमे केवल 4 ही कमरे है और वे भी हटस मे है। जगह बहुत कम है। मै यह समझता हू कि सरकार का यह कहना उचित नही है कि वहा पर स्कूल नही बनाया जा सकता । जब पार्क मे आलरेडी जगह है और स्कूल छोटे स्तर पर चल भी रहा है तो सरकार को झुग्गी झोपडी वालो की तरफ और खास तोर पर कालोनी वालो की तरफ ध्यान देने की आव यकता है वरना बच्चे अि ाक्षित रह जाएगे। जंहा तक सारन स्कूल का ताल्लुक है सारन स्कूल तो अपने बच्चो को ही पूरा दाखिला नही दे पाता जब कि

70 हजार की आबादी को पजाबी कालोनी और जवाहर कालोनी के साथ के एरिया के बच्चे 3–3 किलोमीटर की दूरी से आते जाते है मै चाहता हू कि सरकार इस मामले मे कैटेगरीकली अभ्योरैस दे जंहा एक एक लाख की आबादी है वह 3 किलोमीटर दूस से बच्चे क्यो जाएं अगर बच्चे पढने के लिए दूर न जा पाएगे तो इससे दे ा का अहित होगा। इसके लिए सरकार को हर तरफ की प्रोटैक ान देनी चाहिय।

मुख्य मंत्री चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय सरकार ने एक फैसला किया है हुडडा भी कालोनी बनाता है और हाउसिंग बोर्ड भी कालोनी बनाता है 100 या 100 एकड से ज्यादा जमीन एक्वायर करके जहा हुडा या हाउसिंग बोर्ड कालोनी बनाता है वहा पर स्कूल बनाने का प्रवाधान एक छोटा हस्पताल और डिसपैन्सरी बनाने का प्रावधान रखा जाता है प्ले ग्राउड की जगह भी वाफायदा रखी जाती है जैसा कि ए.सी. चौधरी साहब ने बताया कि जंहा पर पुरानी कालोनी बनी हुई है वहा लोगो की कठिनाईयो हो सकती है क्योकि बेसिक स्कीम मे जगह नही रखी गई थी इसके अलवा बहुत सी जगहो पर अन अथोराईजड कालोनीज बनी हुई है ं जिनका सरकार से कोई ताल्लुक नही है। लेकिन जब बन गयी है तो सरकार का यह कर्तव्य बन जाता है कि वहां लोगो को पानी की सुविधा सीवरेज की सुविधा, बिजली की सुविधा, हस्पताल की सुविधा, स्कूल की सुविधा, दी जाए। इस बात को हम पूरा

ध्यान मे रखेगे। जैसा इन्होने बताया कि वहा यह कठिनाई है, सरकार उसको दूर करने की पूरी कोि ा ा करेगी।

चौधरी फूल चन्दः क्या मंत्री जी बताएगे कि हरियाणा के हर गांव मे प्राइमरी स्कूल खोल दिया गया है और क्या सरकार की यह नीति है कि जिन गावो की पचायते स्कूल की बिल्डिग्ज मेनटेन नही कर सकती उनको मेनटेन करने का सरकार प्रावधान करेगी?

श्री जगदी ा नेहरूः हरियाणा के सारे गावों मे प्राइमरी, मिडल और हाई स्कूल है। कोई भी ऐसी जगह नही है जहा स्कूल न हो। यहां तक कि ढाणियों मे भी जहां 30–40 बच्चे होते है, वहा भी स्कूल खोले गये है जो कि तीसरी क्लास तक के होते है जहा तक स्कूलों की बिल्डिग्ज को मेनटेन करने की बात है, केवल हाई स्कूल की पी.डबल्यू.डी. को दिए जाते है, वह भी तब अगर पंचायत यह रैजोल्यू ान पास कर दे कि इस स्कूल की सारी लायबिल्टी वगैरहा हम सरकार को देते है। प्राइमरी और मिडल स्कूलो को मैचिग ग्राट, आर.एल.जी.पी. और एन.आर.ई.पी. स्कीमे के तहत ठीक किया जाता है।

बहिन भाान्ति देवीः स्पीकर साहब, गावो मे तो पचायते स्कूलो के लिए जमीन बगैरह दे देती है लेकिन आप जानते है कि भाहरो मे स्कूलो के लिए कोई भी जमीन देने के लिए तैयार नही होते इसलिए वहां पर स्कूलो के भवन नही है। भाहरो मे पार्टी ान

के बाद किराए बिल्डिग मे स्कूल बने थे या तो वे टूट गए है और या मालिक मकान ने अपनी जगह खाली करवा ली है। करनाल भाहर के बारे मे मुझे मालुम है वहा पर प्राइमरी एजूके ान सरकार के हाथ से निकलती जा रही है प्राइवेट घरेलू स्कूल बढते जा रहे हैं वहा पर केवल राजकीय प्राइमरी स्कूल का अपना भवन है जिसके क्लासे लगती थी, अब एक दो स्कूल जो खाली करवा लिए है उनके बच्चे भी इसी स्कूल मे आ गए है उसके लिए अब थोडी सी मदद मिली है। उस स्कूल मे अब चार पाच कमरे और बनेगे। वहा पर एक हाई स्कूल की भी जरूरत है क्योकि आस पास कोई हाई स्कूल नही है एक मिडिल स्कूल था वह भी खाली करवा लिया। इसलिये भाहरो मे भी ऐसी योजना बनाई जाए ताकि वहा भी प्राईमरी, मिडिल और हाई स्कूलो के भवन बनाए जाए। इसी तरह से प्रेम नगर मे एक हाई स्कूल है यह स्कूल 38 साल पहले बना था जो कि हट टाईप था उसकी छते टपकती है इसलिए भाहरो मे स्कूल भवन निमार्ण का काम सरकार अपने हाथ मे ले ले तभी अनिवार्य ि ाक्षा का प्रोग्राम चल पाएगा। गरीब लोगो के बच्चे सरकारी स्कूलो मे नि लुक ि ाक्षा द्धारा लाभान्वित हो सकेगे।

श्री जगदी ा नेहरूः स्पीकर साहब, बहिन जी ने ठीक कहा कि भाहरो मे भी स्कूलो की हालत खराब है। उसका कारण यह है कि गावों मे कम्युनिटी एजूके ान थी चन्दा इकट्ठा कर लिय लेकिन भाहरो मे 1947 के बाद कम्यूनिटी का सिस्टम नही रहा, स्कूलो की हालत खराब रही । जो वक्फ बोर्ड या

रिहैबलीटे ान की जमीन थी अब उसकी हम एक्वीजि ान कर रहे है इस साल काफी भाहरो मे सुधार करने की कोि ा ा कर रहे है।

Mr. Speaker: Question Hour is over

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तांराकित प्र नो के लिखित उतर

Fixation of number of hour for the supply of electricity

***1308 Seth Ram Dass Dhamija:** Will the Minister for irrigation &Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to fix the number of hours for which electricity is to be supplied to Domestic. Industrial and Agricultrual consumers in the State, if so, the details thereof?

Irrigation and power Minister(Charudhri Shamsher Singh Surjewala): The proposal to fix number of hours for supply of electricity to domestic, industrial and agricultural consumers in the State will not ne practibable as the same depensds upon variation in avialbaility an ddemand of power on day to day basis. Under the regulartory maeasures being followed the supply to various categories of consumers has generally been as follows in recent months:-

(i)	Agriculture	6 to 10 hours a

		day.
(ii)	Industry	6 to 8 hours a day (one or two weekly off days)
(iii)	Domestic Urban Rural	 15 to 19 hours a day 12 to 16 hous a day

From 17th September however all restrictions have been removed.

Pharmacy diploma instiutions in the State

***1045. Chaudhri Kulbir Singh Malik:** Will the Minister of State for Health be pleased to state

(a) the numer of Pharmacy Diploma instituons exisiting in the State at present;

(b) the name of sanctioning authority for the opening of the institutions referred to in part together with the criteria adopted for according the sanction therefor and

(c) whether the qualifying candidates are required to do apprenticeship before the said Diploma is awarded to them ?

परिवहन राज्य मंत्री चौधरी चन्दा सिंहः

(क) सात

(ख) कोर्स आरम्भ करने हेतू फार्मेसी कौसिल आफ इण्डिया की अनुमती प्राप्त होने के बाद हरियाणा राज्य सरकार

(ग) जी हा।

Government college for women

***1000. Dr Bhim Singh Dahiya:** Will the Minister of State for Education be pleased to State-

(a) the names of Govt. College for women opened Not conerted during the period from November 1966 to date;

(b) the number of students enrolled at each of the existing Govt. College for Women during the year 1984-95 toghether with the number of seats available at each of the hostels, if any, attached to these colleges: and

(c) whether 10+2 system of Education has been introduced in the Sated if so the names of such Govt. Girls High Schools as have been selected for the purposed to date?

ि ाक्षा राज्य मंत्री श्री जगदी ा नेहराः

(क) भून्य।

(ख) कालिज का नाम	छात्र सख्या	महाविधालयो के साथ सल्गन छात्रावासो मे उपलब्ध स्थान
(1) राजकीय महिला	1935	94

महाविधालय रोहतक		
(2) राजकीय महिला महाविधालय गुडगावं	2035	80

(ग) जी हा 10 जमा 2 ि ाक्षा प्रणाली राज्य मे लागू कर दी गई है परन्तु कोई भी राजकीय कन्या उच्च विधालय इस प्रणाली हेतू नही चुना गया है।

अताराकित प्र न एवम उत्तर

Special Grants to Municipal Committess

200. Shri Fateh Chand Vij: Will the Minister of State for Local Government be pleased to State wherher any special grants have been given to the Municiplities during the year 1984-85 if so, the names of such Municiplities together with the amount of grant given to them speartely ?

Minister of State for Local Government, Shri Om Parkash Mahajan:

(i) Yes.

(II) As indicated in Annexure 'A' to 'J'

ANNEXURE A

1. For Revenue Earning Schemes:

Sr.No	**Name of M.C**	**Amount of grant**
1.	Fatehbad	0.33
2.	Gohans	0.35
3.	Kalayat	0.35
4.	Hassanpur	0.35
5.	Nuh	0.35
6.	Uchana	0.35
7.	Narwana	0.35
8.	Bahadurgarh	0.35
9.	Safidon	0.35
10.	Chhachharuli	0.30
11.	Jakhal	0.35
12.	Julana	0.35
13.	Ladwa	0.35
14.	Samalkha	0.35
15.	Tosham	0.35
16.	Kalanapur	0.35
17.	Sadhaura	0.35
18.	Bawal	0.35

19.	Gharaunda	0.35
20.	Assandh	0.35
21.	Ganaur	0.35
22.	Kalka	0.35
23.	Jagadhi	0.35
24.	Palwal	0.35
25.	Tohana	0.35
26.	Mandi Dabwali	0.35
27.	Shahbad	0.35
28.	Bawanikhera	0.35
29.	Pundri	0.35
30.	Radaur	0.35
31.	Radaur	0.35
32.	Ateli Mandi	0.35
33.	Pehowa	0.35
34.	Cheeka	0.35
	Total	12.00

ANNEXURE B

II. For Development

Sr.No	**Name of M.C**	**Amount of grant**
1.	Palwal	0.50
2.	Ambala City	0.70
3.	Jagadhri	0.50
4.	Kalka	0.50
5.	Kharkhoda	0.38
6.	Jind	1.00
7.	Faridabad	---
8.	Ambala Sadar	0.70
9.	Bhiwani	0.70
10.	Gurgoan	0.70
11.	Hissar	0.70
12.	Hansi	0.70
13.	Karnal	0.70
14.	Kaithal	1.00
15.	Panipat	0.70
16.	Rohtak	0.70
17.	Rewari	1.00
18.	Thanesar	0.70

19.	Sonepat	0.70
20.	Sirsa	1.00
21.	Yamunanagar	0.70
22.	Bahadurgarh	1.00
23.	Charkhi Dadri	0.50
24.	Fetehbad	0.50
25.	Gohana	0.50
26.	Jhajjar	1.00
27.	Mandi Dabwali	0.50
28.	Narnaul	0.50
29.	Narwana	2.00
30.	Shahbad	0.55
31.	Tohana	0.50
32.	Kalayat	0.51
33.	Bawal	1.00
34.	Hodel	0.50
35.	Nilokheri	1.00
36.	Traori	1.00
37.	Pundri	1.00

38.	Gharauda	1.00
39.	Julana	1.00
40.	Pehowa	2.88
41.	Cheeka	1.00
42.	Radaur	1.00
43.	Uchana	1.00
44.	Kalanaur	0.50
45.	Ateli Mandi	0.38
46.	Kanina	0.38
47.	Loharu	0.38
48.	Tohham	0.38
49.	Uklana Mandi	0.38
50.	Hathin	0.38
51.	Hassanpur	0.38
52.	Toaru	0.38
53.	Ferojpur Jhirka	0.38
54.	Rania	0.38
55.	Brara	0.38
56.	Buria	0.38

57.	Chhacharuli	0.38
58.	Naraingarh	0.38
59.	Indri	0.38
60	Beri	0.38
61.	Raipur Rani	0.38
62.	Ganaur	0.38
63.	Mahindergarh	0.38
64.	Bwani Khera	1.00
65.	Safidon	0.38
66.	Nuh	0.38
67.	Nagina	0.38
68.	Haily Mandi	0.38
69.	Pataudi	0.38
70.	Feruq Nagar	0.38
71.	Kalanwali	0.38
72.	Ladwa	0.38
73.	Sadhaura	0.38
74.	Shahzadpur	0.38
75.	Assandha	0.38

76.	Sohna	0.38
77.	Samalkha	0.38
78.	Mehm	0.38
79.	Ratia	0.38
80.	Ellenabad	0.38
81	Jakhal	0.38
	Grand Total	50.00

ANNEXURE 'C'

III. For the Civic Amenities Development

Sr.No	**Name of M.C**	**Amount of grant**
		Rs. In Lacs
1.	Sonepat	10 ,,
2.	Gohana	3 ,,
3.	Ganaur	2 ,,
4.	Kharkhauda	2 ,,
5.	Bahadurgarh	8 ,,
6.	Safidon	5 ,,
7.	Julana	3 ,,
	Total	**33 Lacs**

ANNEXURE 'D'

IV For environmental Improvemen of Urbans Stums:

Sr.No	**Name of M.C**	**Amount of grant** **Rs. In Lacs**
1.	Sonipat	1.75
2.	Jind	1.75
3.	Thanesar	1.75
4.	Kaithal	1.75
5.	Ambala City	1.75
6.	Panipat	1.75
7.	Rewari	2.75
8.	Bhiwani	2.75
9.	Hansi	2.75
10.	Gurgaon	2.75
11.	Sirsa	2.75
12.	Ambala City	2.75
13.	Yamyna Nagar	2.75
14.	Karnal	2.75
15.	Rohtak	2.75

16.	Hissar	4.75
17.	Gohana	1.50
18.	Narnaul	1.50
19.	Narwana	1.50
20.	Palwal	1.50
21.	Mandi Dabwali	1.50
22.	Shahbad	1.50
23.	Kalka	1.50
24.	Jagadhri	1.50
25.	Charkhi Dadri	1.50
26.	Tohana	1.50
27.	Fatehbad	1.50
28.	Bahadurgarh	1.50
29.	Jhajjar	3.00
30.	Ateli Mandi	0.35
31.	Bawal	0.35
32.	Kanian	0.35
33.	Loharu	0.35
34.	Tosham	0.35

35.	Uklana Mandi	0.35
36.	Jakhal	0.35
37.	Uchana	0.35
38.	Kalayat	0.35
39.	Hathin	0.35
40.	Hassan Pur	0.35
41.	Taoru	0.35
42.	Ferozepur Jhirka	0.35
43.	Rania	0.35
44.	Brara	0.35
45.	Buria	0.35
46.	Chhachharauli	0.35
47.	Naraingarh	0.35
48.	Indri	0.35
49.	Beri	0.35
50.	Kalanapur	0.35
51.	Pehowa	0.35
52.	Raipur Rani	0.35
53.	Ganaur	0.45

54.	Mahindergarh	0.45
55.	Bawani Kheara	0.45
56	Julana	0.45
57	Safidon	1.00
58	Hodel	0.45
59	Nuh	0.45
60	Nagina	0.45
61.	Haily Manid	0.45
62.	Pataudi	0.45
63.	Farukh Nagar	0.45
64.	Kalanwali	0.45
65.	Cheeka	0.45
66.	Pundri	0.45
67.	Radapur	0.45
68.	Ladwa	0.45
69.	Shahaura	0.45
70.	Shehzadpur	0.45
71.	Tarauri	0.45
72.	Assandh	0.45

73.	Kharkhauda	0.68125
74.	Saohan	0.68125
75.	Samlkha	0.68125
76.	Gharunda	0.68125
77.	Niolkheri	0.68125
78.	Meham	0.68125
79.	Ratia	0.68125
80.	Ellenabad	0.68125
81	Faridabad Comlex	7.95
	Total	88.00

ANNEURE E

V. Central incentive grnat for Environmental Improvement of Urban Stums:

Sr.No	**Name of M.C**	**Amount of grant Rs. In Lacs**
1.	Ambala Ctiy	2.00
2.	Ambala Sadar	2.00
3.	Yamuna Nagar	2.00
4.	Bhiwani	2.00

5.	Gurgaon	2.00
6.	Hansi	2.00
7.	Hissar	2.00
8.	Karnal	2.00
9.	Panipat	2.00
10.	Kaithal	2.00
11.	Thanesar	2.00
12.	Rewari	2.00
13.	Rohtak	2.00
14.	Sirsa	2.00
15.	Sonepat	2.00
16.	Jind	2.00
17.	Kalka	1.50
18.	Jagahri	1.50
19.	Charkhi Dadri	1.50
20.	Palwal	1.50
21.	Fatehabad	1.50
22.	Tohana	6.50
23.	Narwana	1.50

24.	Narunal	1.50
25.	Shahbad	1.50
26.	Bahadurgarh	1.50
27.	Jhajjar	1.50
28.	Mandi Dabwali	1.50
29.	Gohana	2.50
30.	Faridabad Complex	4.00
31.	Pehowa	1.28571
32.	Pundri	1.28571
33.	Ladwa	1.28571
34.	Naraingarh	0.78571
35.	Kharkhauda	28,571
36.	Ganaur	28,571
37.	Mahindergarh	28,571
38.	Kanina	28,571
39.	Bawal	28,571
40.	Loharu	28,571
41.	Tosham	28,571
42.	Bawani Khera	28,571

43	Uklana Mandi	28,571
44.	Jakhal	28,571
45.	Ratia	28,571
46.	Barwala	28,571
47.	Uchana	28,571
48.	Julana	28,571
49.	Safidon	28,571
50.	Kalyat	28,571
51.	Sohna	28,571
52.	Taoru	28,571
53.	Nuh	28,571
54.	Ferozepur Jhirka	28,571
55.	Haily Mandi	28,571
56	Patudi	28,571
57	Farukh Nagar	28,571
58	Rania	28,571
59	Kalanwali	28,571
60	Ellenabad	28,571
61.	Cheeka	28,571

62.	Raipur Ram	28,571
63.	Buria	28,571
64.	Chhachharauli	28,571
65.	Sahhaura	28,571
66.	Shahzadpur	28,571
67.	Samalkha	28,571
68.	Gharaunda	28,571
69.	Pundri	28,571
70.	Nilokheri	28,571
71.	Radaur	28,571
72.	Assandh	28,571
73.	Meham	28,571
74.	Beri	28,571
75.	Kalanpur	28,571
76.	Hodel	28,592
77.	Huthin	28,571
78.	Hassanpur	28,571
79.	Ateli Manid	28,571
	Total	80.00

ANNEURE F

VI. Development

Sr.No	**Name of M.C**	**Amount of grant** **Rs. In Lacs**
1.	Ambala Ctiy	2500
2.	Ambala Cantt	2500
3.	Naraingarh	2000
4.	Yamun Nagar	2500
5.	Jagadhri	2500
6.	Sadhaura	2000
7.	Kalka	2500
8.	Shahbad	2000
9.	Kaithal	2000
10.	Thanesar	2000
11.	Karnal	2500
12.	Indri	2000
13.	Samalkha	2000
14.	Nilokheri	2000
15.	Gharaunda	2000

16.	Panipat	2000
17.	Sonepat	2500
18.	Sohna	2000
19.	Ganaur	2000
20.	Rohtak	2500
21.	Kalanur	2000
22.	Jhajjar	2000
23.	Bahadurgarh	2000
24.	Faridabad City	2000
25.	Hodel	2500
26.	Palwal	2500
27.	Ferozepur Jhirka	2000
28.	Nuh	2000
29.	Hail Mandi	2000
30.	Sohna	2000
31.	Narnaul	2500
32.	Rewari	2500
33.	Ateili Mandi	2000
34.	Bhiwani	2500

35.	Charkhi Dadri	2000
36.	Tosham	2000
37.	Fatehabad	2500
38.	Hansi	2500
39.	Jakhal Mandi	2000
40.	Tohana	2000
41.	Sirsa	2000
42.	Jind	2500
43	Julana	2000
44.	Safidon	2000
45.	Narwana	2000
46.	Kalyat	2000
	Total	100000

ANNEXURE G

VII.Compensatory grant for operating cattle ponds:

Sr.No	**Name of M.C**	**Amount of grant** **Rs. In Lacs**
1.	Yamuna Nagar	258

2.	Sudhaura	3694
3.	Kalka	2052
4.	Hodel	1095
5.	Ladwa	545
6.	Kaithal	976
7.	Thanesar	1165
8.	Rohtak	1360
9.	Meham	811
10.	Rewari	11
11.	Hansi	1190
12.	Fatehabad	70
13.	Sirsa	4621
14.	Ferzepour	3155
15.	Gurgaon	4189
16.	Charkhi Dadri	387
17.	Narnaul	27
18.	Tosham	762
19.	Tohana	322
	Total	29777

ANNEURE H

VII. For the Draings Scheme of Rohtak Town

Name fo M.C	**Amount of Grant**
Rohtak	128 Lacs

ANNEXURE I

IX four Water Supply Schema

Lic aided schems:-

Sr.No	**Name of M.C**	**Amount of grant** **Rs. In Lacs**
1.	Ambala City	3.50
2.	Bhiwani	1.60
3.	Charkhi Dadri	0.80
4.	Kalanaur	0.80
5.	Rohtak	3.50
6.	Pataudi	0.40
7.	Ellenabd	0.60
8.	Hissar	1.60
9.	Uchana	0.80
10.	Assandh	1.50

11.	Pehoow	1.20
12.	Shahbad	0.80
	Total	1710
II) For non LIC Schemes		
13.	Ambala City	3.90
14.	Ambala Sadar	0.60
15.	Shehzadpur	1.50
16.	Bhiwani	1.00
17.	Ateli Mandi	1.10
18.	Mahendergarh	1.00
19.	Rewari	0.20
20.	Narwana	3.50
21.	Kalyat	1.60
22.	Jind	1.90
23.	Karnal	1.00
24.	Panipat	2.30
25.	Gharaunda	1.70

26.	Samalkha	1.80
27.	Indri	1.80
28.	Thansher	0.80
29.	Jhajjar	1.70
30.	Beri	1.40
31.	Meham	1.10
32.	Haily Mandi	1.40
33.	Farrukh Nagar	0.20
34.	Hodel	1.50
35.	Uklana Mandi	1.90
36.	Kharkhauda	1.90
	Total	36.80
(III) New Scheme		
37.	Sadhaura	0.40
38.	Naraningarh	0.80
39.	Jakhal	1.10
40.	Fathebad	1.60
41.	Jind	0.80
42.	Sonepat	1.50

43	Narnaunal	1.50
44.	Pundri	0.80
45.	Gurgoan	0.50
46.	Karnal	2.00
47.	Tosham	1.10
	Total	12.10

Grand Total of (i) (ii) and (iii) = 66.00 Lacs

ANNEXURE J

For Sewarage Scheme

(I) LIC added Scheme

Sr.No	**Name of M.C**	**Amount of grant** **Rs. In Lacs**
1.	Panpati	1.60
2.	Rohtak	2.00
3.	Gurgaon	1.30
	Total	4.90
(ii) Non LIC added Scheme		
4	Naranigarh	1.20

5.	Yamunenagar	1.60
6.	Shahbad	1.60
7.	Safidon	1.60
8.	Uchana	1.30
9.	Bahadurgarh	1.60
10.	Tohana	2.80
11.	Fatehabad	0.80
12.	Uklana Manid	1.50
13.	Sonipat	0.80
	Total	14.80
(iii) New Scheme		
14.	Narwana	1.90
15.	Jind	2.10
16.	Karnal	2.30
17.	Gharnaund	1.20
18.	Samalkha	0.80
	Total	9.30

Grand Total of (i) (ii) and (iii) = 29.00 Lacs

Overhead Supply Reservoir of Water in Safidon Mandi

204. Chaudhir Kundal Lal: Will the Minister for Public Health be pleased to state whether there any proposal under consideration of the Government to construct an over head supply reservoir of water is Safidon Mandi if so the time by which the said proposal is likely to be materialized ?

जन स्वास्थय मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी): नही। पानी का उर्ध्ववर्ती प्रदाय जला ाय औवर हैड सर्विस रिजर्वायर आफ वाटर का निमार्ण सफीदो नगर मे पहले हो चुका है तथा यह सफीदो नगर एवम सफीदो मंडी दोनो की मांग को पूरा करता है।

विभिन्न विशयो का उठाया जाना

15.00 बजे

श्री लक्ष्मन सिह: स्पीकर साहब, पिछले सै ान के बाद कुछ ऐसे फैसले हुए है जो कि मै समझता हू कि बहुत अच्छे है जैसे पजाब का एकोर्ड है इन फैसलो के मुताबिक चण्डीगढ पजांब को चला गया है। इस फैसले के बाद हरियाणा के लिए नई कैपिटल की प्रोबलम खडी हो गई है आजकल यह बहस का मौजू बना हुआ है पता नही चीफ मिनिस्टर साहब मेरी कास्टीच्यूएंसी के साथ क्यो नाराज है? ये कहते है कि पचकूला को कैपिटल के लिए कसीडर नही करेगे। मेरी दर्खास्त है कि ये इसका कारण बताए कि इनको पचकूला से क्या एलर्जी है। यह पर क्लेम भी कम

देने पडेगे। जों हिसार के अन्दर गरदोगवार है उससे यह बहुत बढिया जगह है। तो स्पीकर साहब, मै चीफ मिनिस्टर साहब से एक दो बाते अर्ज करना चाहता हू क्या वजह है कि पचकूला को इतनी खूबसूरत जगह होने के बावजूद भी कैपिटल के लिए कसीडर नही किया जा रहा है। चौधरी बंसी लाल ने पचकूला इसीलिए बनाया था कि अगर चण्डीगढ पजाब को चला गया तो पचकूला को हरियाणा की राजधानी बनाएगे। दूसरे कल पजाब के चुनाव मे अकालियों की थम्पिग मैजोरिटी को देखते हुए यह चर्चा चल रही है कि हरियाणा सरकार अपनी टैम्पोरेरी राजधानी कही पर जल्दी ले जाना चाहती है। मै सरकार से कहूगा कि पचकूला के बढिया जगह और कोई नही है। यहा पर सरकार का खर्चा भी कम आएगा। सिक्योरिटी रीजज की वजह से अगर इन्होने 26 जनवरी से पहले जाना हो तो टैम्पोरेरी राजधानी के लिए पचकूला सबसे बढिया जगह है। स्पीकर साहब, मै आपको याद दिलाना चाहता हू कि जब पार्टी ान हुई थी तो पंजाब सरकार लाहौर मे ि ामला गई थी। वहां 4–5 साल रही, उसके बाद चण्डीगढ को सिलैक्ट किया गया और यहा पर ि ाफट कियां। इसलिए ये भी पचकूला मे टैम्पोरेरी राजधानी बना सकते है। उसके बाद इनकी कैबिनिट जा चाहे जा सकते है इसमे किसी को एतराज नही होगा। ऐसा करने से मुझे कोई फायदा नही होगा बल्कि काग्रेस पार्टी के ज्यादा वोट बढेगें। यानी मेरे को पोलिटीकल गेन नही होगा बल्कि इनकी पार्टी को होगा। एक बात मै और कहना चाहता हू जिसे मेरे कांग्रेस के भाई भी महसूस

करते होगो। कल से हम यह महसूस कर रहे है कि भाायद आपने अपने अख्तियार विधान सभा की बाऊडरी के अन्दर न बन्द कर दिए हो । पुलिस जगह जगह हमारी कारों को रोक लेती है। एम0एल0ए0 होस्टल और फलैटस मे भी डिटैक्टर लगे हुए हैं हम अपने फलैट मे दस बार जाए या बीस बार जांए तो उतनी बार ही नाम लिखते है मै समझता हू कि यह आपकी जुरिसाडिक ान मे है। जब चण्डीगढ पजांब को ट्रासफर होगा तब देखा जाएगा। इस समय किसी को कोई खतरा नही है यह सब महसूस करते है कि अभी इतनी सिक्योरिटी का कोई रीजन नही है । मेरे खुद के पास कोई गार्ड नही है और न मेरे को किसी से कोई खतरा नही है ठीक है । वी.आई.पीज. के लिए इतजाम किए जाते है लेकिन ऐसी बाता नही है कि इसको बहुत बडा हौवा बना दिया जाए। इसके आलावा जो एम.एल.एज. सै ान अटैण्ड करने के लिए हाउस मे आते है उन्हे अपनी गाडियो पार्क करने के लिए बडी कठिनाई आती है। इस बारे मे ड्राइवर्ज को बहुत परे ाान किया जाता हैं कभी कहते है गाडी इधल ले जाओ, कभी कहते गाडी उधर ले जाओ। एम.एल.ए. होस्टल के अन्दर भी इस बारे मे बहुत दिक्कत है विज साहब यहा बैठ हुए है बुढापे मे इनको बडी भारी इन कनविनिएंस है आप इनसे इस बारे मे पूछे ले तो स्पीकर साहब, मै आपके द्धारा चीफ मिनिस्टर साहब मे दरखास्त करूगां कि पचकूला को टैम्पोरेरी कैपिटल बनाने के बारे मे जरूर गौर फरमांए। इन्होने महीने मे या 15 दिन मे कैपिटल जरूर ि ाफट करनी है । और कैपिटल जल्दी ि ाफट करने के काइ कारण हो सकते है मुझे इस

बारे मे कुछ पता नही है चीफ मिनिस्टर साहब को पता हो सकता है कि चीफ मिनिस्टर साहब कहेगे वही होगा। स्पीकर साहब, मै आपसे भी दरखास्त करूगा कि आप भी चीफ मिनिस्टर साहब से यह सिफारिस कर दे कि टैम्पोरेरी कैपिटल पचकूला मे ि ाफट कर दी जाए। मेरे हल्का भी आपके हल्के के नजदीक ही लगता है, कोई लम्बा चौडा एरिया नही है। मेरे हल्के मे आपके हल्के मे जाने का केवल एक घटे का ही रास्ता हैं

श्री फतेह चन्द विजः स्पीकर साहब, सरदार लछमन सिंह जी ने मेरे मुताल्लिक कुछ कहा है। मै भी यह कहना चाहता हू कि जब मै स्कूटर से यानि थ्री व्हीलर से एम.एल.एज. होस्टल मे आया तो उस समय सरदार लछमन सिंह जी वहा पर थे। मै जिस थ्री व्हीलर मे आया उसको पुलिस वालो मे एम0एल.एज0 होस्टल के सामने जो फलैटस है, उन फलैटस के कौने पर मेरस स्कूटर खडा कर लिया और आगे नही जाने दिया। मै स्कूटर से नीचे उतर कर अपना सामान लेकर जब एम0एल0ए0 होस्टल मे आया तो वहा पर मुझे खडा कर लिया और कहने लगे कि सामान खोल कर दिखाओ हमारे साथ इस तरह का व्यवहार नही होना चाहिए। मेरे सामने उस समय दो तीन मिनिस्टरों की कारे आई, उनको किसी ने चैक नही किया और न ही किसी ने उनकी कार रोकी। उनसे किसी ने यह नही पूछा कि आपके पास क्या है। लेकिन स्पीकर साहब, हमारे साथ यह भेदभाव किया जा रहा है। इस तरह से भेदभाव नही करना चाहिए। मेरे सामने दो तीन मिनिस्टरो की

कारे आई थी उनकी किसी ने नही पूछा कि किस तरफ जा रहे है। स्पीकर साहब, एम0 एल0 एज0 होस्टल का यह हाल है। मै यही कहना चाहूगा कि जो हमारे साथ भेदभाव किया जा रहा है, वह बिल्कुल गलत है। इसके अलावा, सरदार लछमन सिंह जी ने मेरे मुताल्लिक बुढापे के बारे मे कोई बात कही । मै इनको कहना चाहूगा कि इन्होने तो अपने सफेद वालो को रंग लगाया हुआ है इसलिए इनका पता नही लगता। इनकी पगडी बहुत सफेद है लेकिन इनका दिल काला है।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, पिछले सै ान और इस सै ान के बीच मे एक बहुत अहम मामला 24 जुलाई को हुआ था। उस दिन हरियाणा प्रान्त के हितों का कत्ल हुआ था उस दिन हरियाणा के हितो की जो बात थी उनको सुना तक नही। उस बात को लेकर इस सदन के आनरेबल मैम्बरो ने अपने इस्तीफे किए। उनमे से दो बडे नेताओ के अस्तीफे मजूर कर लिए गए और उन जगह पर उप चुनाव भी कराए गए है मुख्य मंत्री जी उस मद्दे पर जनता के समाने मैनडेट के लिए गए । जिन दो जगहो पर उप चुनाव कराए गए है, उनमे से एक जगह रोहतक मे हमारे साथ सरकार ने बडी भरी ज्यादती की है। पिछले चुनाव मे डा0 मगल सैन जी को 19 हजार वोट मिले थे उस समय वे चुनाव जीत गए थे। इस उप चुनाव मे उनको 32 हजार वोट मिले है यानि रोहतक के 32 हजार लोगो ने उस फैसले को पसंद नही किया जो फैसला 24 जुलाई को किया गया था। उन लोगो ने

यह कहा कि यह फैसला बिल्कुल गलत किया गया है इसमे हरियाणा के हितो को ध्यान मे नही रखा गया। इसके अलावा स्पीकर साहब, मै एक बात और आपके सामने कहना चाहूगा । इसी महीने की 24 तारीख की रात को पुलिस की मौजूदगी मे 500 लोगो ने हमारे ऊपर हमला किया। हमने पुलिस को फोन किया और पुलिस वहा पर आई। हमने वहा के ए0 एस0 पी0 को उस हमले के बारे मे सारी रिपोर्ट दी।

श्री अध्यक्षः यह बात तो आप पिछले इलैक ान्ज की कर रहे है।

श्री राम बिलास भार्माः नही जी। मै इसी चुनाव की बात कर रहा हूं जो अभी दो दिन पहले यानी 25 तारीख को हुए है। तो स्पीकर साहब, मै यह कहना चाहता हू कि वहा पर इस तरह से जनमत को दबाने की और जनमत को प्रलोभन देने की कोि ा ा की गई है। 24 जुलाई को जौ फैसला किया गया, उसमे हरियाणा के हितो का कत्ल किया गया। जब इस तरह काक कोई फैसला होता है। तो सरकार उस पर जनता का मैनडेट लेती है कि यह फैसला ठीक है या गलत है। यह फैसला गलत हुआ इसलिए हमने अपने इस्तीफे दिए।(ाोर)

आवाजेः आपने इस्तीफे कहा दिए ? (ाोर)

श्री राम बिलास भार्माः हमने तो नही दिए लेकिन हमारे लीडर्ज ने तो इस्तीफे दिस है। जिस तरह से उन जगहो पर उप

चुनाव हुए है वह बहुत गलत तरीके से हुए है वहा पर हमारे साथ बडी ज्यादती हुई है आज इस सरकार को रहने का कोई नैतिक अधिकार नही है यह सरकार हरियणा के हितो की रक्षा नही कर सकी इसलिए इसको बने रहने का कोई अधिकार नही है । स्पीकर साहब, 8 नवम्बर 1983 को हरियाणा भवन दिल्ली मे एक मीटिंग हुइ थी जिसमे खुद चौधरी भजन लाल जी थे और इनके साथ चौधरी देवी लाल जी और डा0 मंगल सैन जी भी थे। उस समय इन तीनो ने बैठ कर यह कहा था कि यदि हरियाणा के साथ टैरीअरी के मामले मे, पानी के मसले पर और कैपिटल के मामले मे कोई ज्यादती हुई तो हम सब इस्तीफे दे देगे। It was published in national press. A particular phrase was used " We will sink and swim together" particularly for this accord. उसके बाद हमारे दोनो नेताओ ने उस पर अमल करते हुए उस फैसले के खिलाफ अपने इस्तीफे दिए। उस समय मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल जी ने भी इस्तीफा देने के बारे मे बात कही थी, इनको अपनी कही हुई बात पर अमल करना चाहिए था। आज ये किस हैसियत से मुख्यमंत्री है? मै यह कहना चाहता हू कि उस फैसले के बारे मे इनका जनता से जो मैनडेट लेने का तरीका था, वह बहुत गलत थां। रोहतक मे जिस तरह से नही होना चाहए था पर्टीकुलरली जो ज्यादती हुई है वह हमारे साथ हुई है स्पीकर साहब, आप तो हमारे अधिकारी के कस्टोडियन है पुलिस हमारी दरखास्त पर कोई अमल नही करती है। हमने पुलिस से कई बार रिक्वैस्ट भी की कि लोग हमारे साथ, हमारे आफिस मे आ कर

लगातार दंगा फसाद कर रहे है लेकिन पुलिस की मौजूदगी मे 500 लोगों ने हमारे आफिस मे आ कर हमारे ऊपर हमला किया। हमने उस बारे मे पुलिस की रिपोर्ट दी लेकिन उस बारे मे कोई कार्यवाही नही हुई। सरकार ने अपने तरीके से वह मुकदमा दर्ज कर लिया। स्पीकर साहब, मै आप के द्वारा मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल जी से कहना चाहता हू कि नैतिकता का तकाजा है कि किसी के साथ इस तरह से नही होना चाहिए। चौधरी भजन लाल जी आपने स्चय हाथ उठा कर यह बात कही थी कि यदि हरियाणा के हितो के साथ कोई ज्यादती हुई है तो सब मिल कर अस्तीफे दे देगे। राजस्थान के मुख्य मंत्री उस फैसले के बारे मे कहा था कि जो पानी के बारे मे फैसला हुआ है, वह मुझे राजस्थान के मुख्यमंत्री की हैसियत से मजूर नही है इसलिए चाहिए तो वह था कि चौधरी भजन लाल जी भी यह कहते हमे पूरा पानी मिलना चाहिए। लेकिन जो फैसला हुआ है उसके मुताबिक तो हरियाणा का पानी का हिस्सा 35 लाख एकड फीट से 12 लाख एकड फीट हो गया है। और कैपिटल के मामले मे कोई चर्चा ही नही की गई। Not even a single wrold was used about the cpital. The date was fixed i.e 26th January 1986 which will be the final date to transfer Chandigarh to Punjab. We are a State. We have been having our Secretariat here. हम कहा जाएगे? यह इनको सोचना चाहिए।

Mr. Speaker: Please Close it now.

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, जब वह फैसला किया गया उस समय हमारी कैपिटल के बारे मे चर्चा जरूर होनी चाहिए थी।

Mr. Speaker: No repetition Please.

वाक आउट

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, इनको उस फैसले का विरोध करना चाहिए था। हरियाणा की टैरीटरी के बारे मे स्वय श्रीमती इन्दिरा गांधी जी भाहीद हो गई उन्होने हरियाणा को 119 गावं देने के लिए दस्तखत किए थें। जो अब फैसला किया गया है उसमे जिन गांवो के लिए श्रीमती इन्दिरा गांधी जी ने दस्तखत किये थे, उनके बारे मे यह कह दिय कि now the village will be the unit and not a group of villages, और फैसले मे अबोहर और फाजिल्का हरियाणा को न देने की बात है वह फैसला सरासर गलत हुआ है। उस फैसले से हरियाणा की बहुत हानि हुई है और उसमे हरियाणा के हितो का कत्ल करके रख दिया गया है इसके बावजूद भी ये लोग बडी दिलरी से जनता का मैनडटे लेना चाहते है। जो फैसला हुआ है वह हरियाणा के हितो के बिल्कुल खिलाफ है इन्होने लोगो की मैनडेट लेने मे कोई ग्रेस नही दिखाई। इस सरकार के इस तरह से रवैये के खिलाफ हम वाक आउट करते है

इस समय भारतीय जनता पार्टी के सभी माननीय सदस्य सदन मे वाक आउट कर गए।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

श्री श्री कि ान दास द्धारा

श्री श्री कि ान दासः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य श्री राम बिलास भार्मा ने यह बात कही कि रोहतक के चुनावो मे हमारे साथ ज्यादती हुई है। स्पीकर साहब, इन्होने रोहतक मे मेरी पार्टी के एक आदमी को चाकू मारा वह आदमी रोहतक मैडीकल कालेज मे दाखिल है। उस आदमी को श्री राम बिलास भार्मा की मौजूदगी मे चाकू मारा गया। आप चाहे इस बारे मे पता कराल ले।

श्री अध्यक्षः मुझे एक घटे से पता था कि इनको वाक आउट करना हैं इन्होने अपनी स्कीम पूरी कर दी।

श्री श्री कि ान दासः स्पीकर साहब, इनकी पार्टी का एक आदमी तो रोहतक मे कल वाक आउट कर गया और ये भी इस तरह से चले जाऐगे।(ाोर) इन्होने रोहतक को जनता कालोनी मे दंगा फसाद किया, एक आदमी को चाकू मारा, वह मैडीकल कालेज रोहतक मे दाखिल है इनके किसी भी आदमी को कोई चोट नही लगी है और न ही कोई दंगा फसाद किया गया है गवर्नमैंट हमारी पार्टी की कहलाती है इसलिए ये इस तरह की बता कर रहे है। कल चौधरी देवी लाल जी ने हमारे दो आदमियों को पिटवाया, उनमे से एक आदमी मैडीकल कालेज रोहतक मे पडा है आप चाहे इस बारे मे पूछताछ कर ले। लेकिन लोगो को हमारी पार्टी मे वि वास था, इसलिए लोग इनकी जबरदस्ती मे नही

आए। इन्होने रोहतक मे दो आदमियों को सडक पर पीटा। उनमे से एक आदमी को ट्रांग टूट गई और एक आदमी का सिर फोडा दिया। आप चाहे इस बारे मे पता करवा ले। इनकी पार नही बसाई जब मै 1972 मे इलैक्ट कर आया था उस समय डा0 मंगल सैन कहा गए थे? जब वहा के लोग मेरे साथ है तो ये कुछ नही कर सकते। हम इनकी बातो पर वि वास नही करते।

वक्तव्य

(1) मुख्य मंत्री द्वारा पजांब समझौता तथा राज्य की राजधानी के स्थान के चयन तथा सुरक्षा अमले द्वारा विधायको की तला ाी संबधी।

मुख्य मंत्री चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सरदार लछमन सिंह जी ने और बी0जे0पी0 के एक भाई श्री राम बिलास भार्मा जी ने सदन मे कुछ बाते कही।

श्री लक्ष्मन सिंहः चौधरी साहब, मेरी बता का आप अलग जवाब दे।

चौधरी भजन लालः पहले मुझे श्री राम बिलास भार्मा की बात से ही भाुरू करना पडेगा, आपकी बात का जवाब मै बाद मे दूंगा। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि श्री राम बिलास भार्मा ने सरकार का इल्जाम लगाया कि सरकार ने रोहतक वाई इलैक् ान मे इनके साथ ज्यादती की इस बात का जवाब रोहतक से चुनकर आये हुए। एम0एल0ए0 श्रीकि ान दास ने दे दिया है, मुझे ज्यादा कहने की

जरूरत नही । दिल्ली अकोर्ड के बारे मे लोक दल और बी0जे0पी0 वाले भाईयो द्धारा मगरमच्छ के आसू बहाये जाने के बारे मे मै कुछ चर्चा करना चाहूगा। अध्यक्ष महोदय, यह अकोर्ड ने ान के हित मे बहुत ही भाानदार अकोर्ड है क्या हालत थी मूल्क मे, इस बात की आप सभी भली भाती जानते है ने ान के हित मे एक फैसला हुआ और उस फैसले को अकेले हरियाणा प्रदे ा की जनता ने ही नही बल्कि सारे दे ा के लोगो ने स्वागत किया। इतना ही नही बाहर के मुल्को ने भी प्राईम मिनिस्टर को मुबारिकबाद दी है कि प्राईम मिनिस्टर ने सत लोगोवाल के साथ बैठकर एक बहुत ही भाानदार फैसला किया है और पजाब समस्या का बहुत अच्छा हल निकाला है जहा तक हरियाणा प्रदे ा के हितो का सवाला है अध्यक्ष महोदय हमने इस फैसले के बारे हाउस मे भी बाहर भी कहा है कि हरियाणा के हित बिल्कुल सुरक्षित है। महसूस करेगे कि कितना भाानदार फैसला हुआ है। इस सिलसिले मे अगर तफसील से कहू तो अच्छा नही लगता क्योकि यह केस कमी ान के पास जेरेगगौर है इससे ज्यादा कहना मेरे लिये उचित नही है।

श्री लछमन दासः आपको कैसे पता लगा गया कि यह फैसला हरियाणा के हित मे है?

चौधरी भजन लालः डिटेल मे कहना मेरे लिए मुनासिब नही है आपने अकौर्ड मे टर्म्ज आफ रैफ्रोसिज देखी होगी। अकालियों ने मेरे खिलाफ इल्जाम लगाया है कि सैन्टर के साथ

मिलकर मै टर्म्ज आफ रैफ्रैसिंज चेज कर रहा है। इससे साफ जाहिर है कि अकाली पहले से ही अपनी पे ाबन्दी कर रहे है। मै यह कहता हू कि हरियाणा के साथ इन्साफ होगा। हरियाणा को किसी किमत पर नूकसान नही हो सकता, चाहे पानी का मसाला हो, चाहे चण्डीगढ के बदले मे हिन्दी भाशी इलाके मिलने का मसला हो, हरियाणा के साथ बेइन्साफी नही होगी। कमी ान का फैसला हरियाणा के हित मे हुआ है इससे ज्यादा मै कुछ नही कह सकता क्योकि मामला कमी ान के पास है आज ये भाई सदन से वाक आउट कर गये। इनके एक नेता ने असैम्बली ने अस्तीफा दे दिया जबकि वे अस्तीफा देना नही चाहते थे वे चौधरी देवी लाल के जाल मै फस गये और अस्तीफा दे बैठे। अध्यक्ष महोदय, 1982 के इलैक ान मे रोहतक कास्टीच्एूंसी से काग्रेस के उम्मीदवार को साढे 19 हजार वोट मिले थे लेकिन इस वाई इलैक ान मे 37000 वोट मिले है। पब्लिक ने हमारे उम्मीदवार को इस बार 1982 के वोटो के मुकाबले दुगने वोट दिये है इतने वोट क्यो दिए ? पब्लिक ने इस अकौर्ड को स्वीकार किया है देहात के लोगो ने भी स्पोर्ट किया । अध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा चौधरी देवी लाल मेहम कास्टीचूएसी से 1982 मे 17 हजार वोटो से जीते थे, लेकिन इस बारे इलैक ान मे 11 हजार से जीते है इस बार इनको 6 हजार वोट कम मिले है। इनके मुकाबले मे 1982 मे काग्रेस उम्मीदवार को 19 हजार वोट मिले थे और इस बारे साढे 27 हजार वोट मिले है यानी पहले के मुकाबले मे 85000 वोट फालतू मिले है ये इस लिये मिले है कि लोगो ने दिल्ली अकौर्ड

का स्वागत किया है। इसके इलावा, इस बाई इलैक ान मे चौधरी देवी लाल ने किस तरह जातिवाद का जहर फैलाकर लोगो से वोट लिये, यह सभी जानते है लोगो से कहते थे कि मेरी जिन्दगी और मोत का सवाल है मेरी इज्जत बचाओ, मुझे वोट दो अध्यक्ष महोदय, एक बात मै आपके द्वारा सदन को बता देता हू कि इस प्रदे ा के सभी लोगो ने चाहे वह गरीब आदमी था चाहे वह आम आदमी था सब लोगो ने एक जुट होकर इस फैसले को स्वीकर किया । बैकवर्ड क्लासिज के भाईयों ने हरिजन भाईयो ने पजाबी भाईयो, यानी जितने भी जातियों के लोग है सभी ने इस फैसले का स्वागत किया है। लेकिन इन्होने जातिवाद का जहर फैलाकर वोट लेने की कोि ा ा की है लोगो ने डट कर इस फैसले का स्वागत किया और कागेंस के कंडीडेट को पहले से ज्यादा वोट दिय।

अध्यक्ष महोदय, इन्होने सदन से अस्तीफा दे दिया और हरियाणा के केस को कमजोर करने की कोि ा ा की। इनका यह फर्ज नही था कि हरियाणा के केस को कमजारे करे। हरियाणा का एम0 एल0 ए0 होने के नाते अगर हरियाणा के केस को प्लीड करते तो अच्छा था। अगर कोइ बेइन्साफी होती तो वे इसके खिलाफ आवाज उठा सकते थे कि हरियाणा के साथ बेइन्साफी हुई है लेकिन इन्होने ऐसा नही किया जो भी आवार्ड हुआ है उसके मुताबिक कमी ान बैठा हुआ है, उस कमी ान की टर्म्ज आफ रैफरैसिज है। यह फैसला दोनो प्रदे ाो के हित मे भारत

सरकार ने किया है प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी और सन्त हरचन्द सिंह लोगोवाल ने बैठ कर यह फैसला सारी नै ान के हित मे और दोनो प्रदे ाो के हित मे रखकर किया है लेकिन चौधरी देवी लाल हमारे अकाली भाईयों से हमें ाा से ही मिले हुए रहे है यह बात मै नही कहता यह रिकार्ड की बात है। अध्यक्ष महोदय आपको याद होगा पिछले सै ान मे चौधरी देवी लाल ने कहा था कि पजाब मे अकालियों की सरकार बननी चाहिए। जब दिल्ली अकौर्ड हुआ तो चौधरी देवी लाल ने डा0 मंगल सैन और दूसरे सदस्यों को साथ मिलाकर अस्तीफा दे दिया। अस्तीफा देकर यह साबित करने की कोि ा ा की कि हरियाणा के इन्ट्रस्ट सेफ नही है अंस्तीफा इसलिए दिया ताकि पजांब के लोग समझे कि अकालियों ने बडा भारी मोर्चा जीत लिया है। यह पौलिटिक्स की बात है, आप सभी जानते है कि इससे इलैक ान मे अकालियो को लाभ हुआ । जहा तक डा0 मंगल सैन और दूसरे सदस्यो के अस्तीफे देने का सवाल है, इस पर मै एक मिसाल देता हूं एक ब्राहाण गांव मे स्नान करने के लिए चल पडा। सर्दी के दिन थे। पडित जी रोज स्नान करते थे ठडे पानी से। भाकरूल्ला खां बैठे है इनकी वरादनी का एक भाई भी पडित जी के साथ गंगा स्नान के लिए चला गया। जग गंगा मे नहाने लगे तो उस भाई को ठडें पानी से बुरा हाल हो गया। पडित जी नहाते समय कहने लगे हर हर गगे हर हर गगे। दूसरी तरफ वह भाई ठडे पानी से तंग होकर कहने लगा मैने क्यो लिया पंगा। वह बेचारा खाहमखाह फस गया था। अध्यक्ष महोदय इसी तरह से ये भाई अस्तीफे देकर फस

गये है। दूसरी बात अध्यक्ष महोदय, हमने कमी ान के सामने फाजिल्का और अबोहर के 410 गावों को हरियाणा के भाामिल करने के लिए क्लैम किया है हमे चण्डीगढ के बदले मे ये 410 गांव मिलने चाहिये लेकिन इस बात का कमी ान ने फैसला करता है जो ठीक बात होगी, उसी हिसाब से कमी ान फैसला करेगा।

अध्यक्ष महोदय, जहा तक हरियाणा कैपिटल का सवाल है इसके बारे मे सरदार लछमन सिंह जी दो बाते कही । एक टैम्परेरी कैपिटल के बारे मे और एक परमानैट कैपिटल के बारे मे। जहां तक परमानैट कैपिटल का ताल्लुक है इस का फैसला हम तभी करेगे जब मैथयू कमी ान अपना फैसला दे देगा। कमी ान के फैसला देने के बाद ही हरियाणा कैपिटल के बारे मे सोचेगा। इस मक्सद के लिए हमने हाई पावर्ड कमेटी बना रखी है जिसमे सीनिय आफिसर और टैक्नीकल मैम्बर है जो एक एक बात को गहराई से देखेगे। आपने हिसार के बारे मे बात कह दी। लेकिन मै आपको बताना चाहता हू कि हमारे लिए सारा प्रदे ा एक समान है जहां ठीक बात होगी, मुनासिब बात होगी वहा कैपिटल बनना चाहिए। कहा पानी अच्छा है जमीन उपलब्ध है ये सारी बाते देखने पडेगी आपने यह भी कहा कि मैने यह क्यो कहा कि पचकूला मे कैपिटल बनाने की बात विचारधीन नही है मै मानता हू कि मैने यह कहा था मैने यह इसलिए कहा था कि जब हम चण्डीगढ छोड देगे तो पचकूला मे कैपिटल बनाने के कोई मायने नही है। आप जानते है कि यह एक कोने मे पडता है चण्डीगढ से अगर हम

जाते है तो कैपिटल ऐसी जगह होनी चाहिए जहां प्रदे ा के लोगो को आने जाने मे सुविधा हो सके। वे सुबह आए ओर भााम को अपने घर जा सके लेकिन फिर भी अध्यक्ष महोदय मै यह क्लीयर कर देना चाहता हू कि इस बारे मे हम अपोजि ान के भाईयो को वि ावास मे लेगे। सारी कैबिनेट इस सम्बन्ध मे फैसला करेगी पार्टी फैसला करेगी और जो मुनासिब बात होगी वह हम करेगे ताकि कोई यह न कह सके कि किसी जिले के साथ ज्यादती हो गई कोई अन्याय की बात हो गई । हम किसी के साथ अन्याय की बात नही करेगे। जो मुनासिब बात होगी जहा सब समझगे कि कैपिटल बनना चाहिए वहा कैपिटल बनाएगे।

श्री लछमन सिहः कैपिटल का फैसला क्या आप मैथ्यू कमी ान की रिपोर्ट आने के बाद करेगे ?

चौधरी भजन लालः जी हा।

श्री निहाल सिंहः कुछ जिलो के नाम तो आप बिल्कुल ही नही लेते।

श्री लछमन दासः अम्बाला के बारे मे भी आप कुछ नही कहते।(विघ्न)

चौधरी भजन लालः सरदार लछमन सिंह जी अगर अम्बाला जिले मे राजधानी बनाने की बात हो, फिर तो पचकूला हमारे पास बनी बनाई राजधानी है। इसमे कोई दिक्कत की बात नही है। हमारा माइन्ड ओपन है लेकिन आप जानते है कि

अम्बाला जिला भी एक साइड मे पडता है चूकि यह एक तरफ पडता है इस लिए बडी दिक्कत पडेगी। इस तरह तो कुछ लोग नारनौल की बात करते है कुछ गुडगांव, फरीदाबाद, और सिरसा की बात करते है इन सब बातो को हाई पावर्ड कमेटी देख लेगी और सोच समझकर अपनी राय देगी।

जहा तक टैम्परेरी राजधानी का ताल्लुक है इसके बारे मे मै इतना कहूगा कि अभी चडीगढ को छोडने की बात नही है 26 जनवरी 1986 को यह एरिया पजांब को ट्रास्फर होगा। उसके बाद सोचगे कि कैपिटल कहा बनना चाहिए। अभी यह सोचने की बात नही है आरजी कैपिटल बनना चाहिए या हमे वहा से जल्दी ि ाफट करना चाहिए फैसले मे ऐसी कोई कडी ान नही हैं इसलिए अभी कोई ऐसा विचार नही है कि हम यहा से एकदम चले जाएगे। एकदम जाकर हम कहा बैठेग ? यह अच्छी बात है कि पजांब मे अब सरकार अकालियों की बन जाएगी । भारत मे प्रजातन्त्र है लोगो ने जब उन्हे बहुमत दिया है तो उनकी सरकार अव य बनेगीं। बहुत से लोग हमे डराते है कि हमको अब यहा नही रहना चाहिए। लेकिन ऐसी कोई बात नही है अकाली हमारे भाई है वे इस दे ा के वासी है और हम भी इस दे ा के वासी हैं वैसे भी यह पहले वाले फैसले मे है कि पांच साल तक हरियाणा यह रह सकता है। रहने मे हर्ज भी कोई नही है इस पांच साल तक हरियाणा यहा रह सकता है। रहने मे हर्ज भी कोई नही है इस लिए हम कोि ा ा करेगे कि जब तक हमारी कैपिटल

नही बनती तब तक हम अपनी कैपिटल यही रखे। भारतर सरकार से हम इस बारे मे बातचित करेगे। फिर कुछ लोग कहने है कि जब चण्डीगढ का कन्ट्रोल पजांब को चल जाएगा तो सेफटी प्वायट आफ व्यू से हमे यह नही रखना चाहिए। लेकिन जब तक हमारी कैपिटल नही बनती हम भारत सरकार से प्रार्थना करेगे कि चण्डीगढ तक भारत सरकार का कट्रोल वैसे ही रहे जैसा आज है। ऐसा कट्रोल अगले दो तीन साल तक रह जाए। इसमे क्या दिक्कत है ? इस पीरियड मे हम अपनी कैपिटल बना लेगे। लेकिन मै आपको यह भी बता दू कि अगर हमे आरजी कैपिटल बनानी पडेगी तो पचकूला मे हमारे पास काफी जगह है। इस मामले मे हमारा माईड ओपन है और हम पचकूला को भी कसीडर करेगे । इसके अलावा कई जगहो और भी है।

अध्यक्ष महोदय एक बात यह पर एम0 एल0 एज0 की चैकिग के बारे मे कही गई। इस सम्बन्ध मे मै हाउस को बताना चाहूगा कि यहा या तो यू0टी0 वालो का कट्रोल है या स्पीकर साहब का कट्रोल है लेकिन मै एक बात अव य कहना चाहता हू कि और आप भी महसूस होगे कि एम0 एल0 ए0 होस्टल मे तो और भी ज्यादा चैकिग की जरूरत है क्योकि वहा कोई भी आदमी आकर कुछ भी नुकसान कर सकता है इदिरा गांधी जी का कत्ल उन्ही बोडी गार्डज ने किया, रक्षा करने वालो ने किया, रक्षक ही भक्षक बन गए। आप किसका वि वास करेगे ? फिर आप देखे

सन्त हरचन्द सिंह लोगोवाल की हत्या उन्ही की बिरादरी के लोगो ने कर दी।(विघ्न)

श्री अध्यक्षः सरदार लछमन सिंह जी खुद होस्टल मे नही ठहरेत। ये तो दो चार आदमियों को खु ा करना चाहते है वे चारो आदमी होस्टल मे ठहरते लेकिन उनमे से किसी ने मुझे कभी कोई कप्लेन्ट नही की कि हमे यह दुख है इनकी सेफटी को देखना मेरी डयूटी है एम एम0एल0ए0 एक लाख लोगो का नुमायदा होता है और किसके पिछे कौन फिर रहा है वह मुझे पता है पुलिस वाले मुझे भी एक बार रोक लेते है लेकिन मै इस बात का बुरा नही मानता क्याकि मुझे पता है कि ला एण्ड आर्डर मेनटेस करने की बात हैं उस प्वायट आफ व्यू से चैकिग करना ठीक है।

चौधरी भजन लालः आपको को तो स्वय कहना चाहिए कि चैकिग कर लीजिए इससे वे दूसरे लोगो की भी चैकिग कर सकते है। आज के हालात मे आप किसी का वि ावास नही कर सकते ।

श्री ए0 सी0 चौधरीः एम0 एल0 एज0 की तला ाी लेने का क्या मतलब है आपको इडिविजुअल की रिसपैक्ट भी मेनटेन करनी पडेगी । क्या कोई एम0एल0ए0 बम अपने आपको गोली मारने के लिए लाएगा ?

चौधरी भजन लालः आपको खुद यह कहना चाहिए कि हमारी तला ी लीजिए। सेफटी प्वायट आफ व्यू से आपको खुद कहना चाहिए कि आप हमारी तला ी ले ताकि दूसरे लोगो की भी वे तला ी ले सके। आप जानते है कि पिछले दिनो चण्डीगढ मे भी और दिल्ली मे भी कितने लेाग पकडे गए। ललित माकन और अर्जुन दास वाली बात भी आपके सामने है इसी तरह से कितने और लोगो की बाते आपके सामने है। इसलिए हर आदमी की सेफटी का इन्ताजम करना जरूरी है फिर भी हम यह कहेगे कि पुलिस चैकिग करते वक्त एम0 एल0 एज0 का ध्यान रखे।

इन भाब्दो के साथ अध्यक्ष महोदय मै इतना कहना चाहता हू कि हरियाणा के हित प्रधान मंत्री जी के हाथो मे सुरक्षित है। उनके होते हुए हरियाणा को नुकसान होने का सवाल ही पैदा नही हो सकता है।

श्री सुरेन्द्र सिहः स्पीकर साहब, अभी अकौर्ड के बारे मे मुख्यमंत्री ने काफी कुछ बताया । लेकिन एक बात की मै और क्लैरिफिके ान चाहता हूं अकौर्ड तो 26 जनवरी को लागू हो जाएगा । क्योकि उस दिन चण्डीगढ पजाब को हैड ओवर हो जाएगा और चण्डीगढ का ऐडिमिनिस्ट्रे ान पजांब के पास चला जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने यह भी कहा कि हम प्रधान मंत्री जी को रिक्वैस्ट करेगे कि 26 जनवरी के बार भी कुछ अर्से के लिए हमारे औफिसिज, असैम्बली , सैक्रिटेरियरट और डायरैक्टोरेस आदि यहा

हो रहे जाए लेकिन उस हालत मे तो करोडो रूपए किराया हमे देना पडेगा । क्या इस बारे मे भी सरकार ने कुछ सोचा है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय.....

श्री अध्यक्षः आप कृपया बैठिए। चौधरी कवल सिंह जी की बात भी सुन लेते है। उसके बाद आप इकट्ठा ही जवाब दे देना।

चौधरी भजन लालः ठीक है जी।

श्री कवल सिंहः स्पीकर साहब, मै दो बाते कहना चाहता हू एक तो मै यह कहना चाहता हू कि आज से तीन साल पहले गवर्नमैंट ने एक बहुंत अच्छा फैसला यिका था वह फैसला यह था कि 15.9.1982 को जिन क्लास III ऐम्पालाईज की दो साल की सर्विस हो गई थी उनको परमानैन्ट कर दिया था लेकिन क्लास II औफिसर्ज की तरफ सुनने मे आया है कि 15.9. 1982 को क्लास II के बहुत से ऐसे आफिसर्ज है स्टेट के अन्दर, जिनकी पाच पांच साल की सर्विस हो गई है लेकिन वे आज भी टैम्पोरेरी है तो मै दरख्वासत करना चाहता हू कि सरकार को ऐसी ऐम्पालाईज की सर्विस को भी उसी तरह परमानैन्ट करना चाहिए जिस तरह क्लास III ऐम्पालईज की सर्विस को किया है।

अध्यक्ष महोदय दूसरी बता मै यह कहना चाहता हू कि एम0 एल0 एज0 होस्टल आपके कट्रोल के नीचे है। यह एक तरह से हमारा घर है और उसके मालिक आप है। लेकिन वहा जब हम

आते है तो हमे रिस्पैक्ट से ट्रीट किया जाना चाहिए। वहा कल मै अपनी कार जब पोर्च के थोडा आगे खडी करने लगा तो एक सिक्योरिटी गार्ड ने कहा कि आप यहा से कार हटा लीजिए। मै उनसे कहा कि ठीक है आपने जहा कार खडी करने का प्रबन्ध किया है मे वही कार खडी कर देता हू लेकिन यह देख लेना कि यहा किसी और की कार खडी नही हेागी । खैर वह आदमी अच्छा था और उसने बडी तमीज से बात की। मैने भी राउन्ड अबाउट के पास जहां उसने कार खडी करने को कहा कार खडी कर दी। सबसे मेरे पास फिर एक आदमी आया और कहने लगा कि क्या एच0वाई0एच0 कार आपकी है ? मैने कहा हां। वह कहने लगा कि वहां से हटनी चाहिए क्योकि हमारे आई जी0 साहब आने वाले है। मैने कहा कि वहा तो बहुत जगह है, दिककत वाली कोई बात नही है आई0जी0 साहब आएगे और चले जाएगे। लेकिन वह कहने लगा कि वहां से कार हटनी ही चाहिए क्योंकि वहा हमने कारे न रखने का फैसला किया । इस पर मैने का कि ठीक है मै नहा धोकर तैयार होकर वहा से कार हटा दूगा कहने का मतलब यह है कि पार्किग प्लेस मे भी कार खडी होने के बाद यह हालत है (विघ्न) स्पीकर साहब मैने यह बात आप को जो होस्टल इन्चार्ज है उसने कही थी मैने आप को यहा भी टेलीफोन किया था उस टाईम आप बाथरूम मे थे। इतनी देर मे मझे फिर कहा गया कि यह से कार जल्दी हटाओ वरना हम टायर पक्चर कर देगे। इस तरह की बदतमीजी की बाते व कई बार करते है अध्यक्ष महोदय इस सम्बन्ध मे मेरा सुझाव यह है कि हमारा तो एम0एल0एज0

होस्टल है उसकी बाऊडरी के बाहर यदि सी0आर0सी0 रहे तो कोई दिक्कत वाली बता नही हैं वे सिक्योरिटी प्वायट औफ व्यू से चैकिग करे ं। उसमे कोई एतराज की बात नही हैं। वह वाजिब बात है। लेकिन हमारा स्टाफ जब हमे आईडैटिफार्ड कर दे, उसके बाद सी0आर0पी0 वाले हमसे कोई बात करे। दूसरे विज इन एम0एल0एज0 होस्टल हमारी पुलिस होनी चाहिए जो हरेक एम0एल0एज0 को जाने । सी0आर0पी0 पुलिस के लोग होस्टल के अहाते मे नही रहने चाहिए। We feel humiliated about it.

श्री अध्यक्षः आज भााम को मै वहा जाऊगा और इस बारे मे बात करूगा।

चौधरी कुन्दन लालः स्पीकर साहब, अभी हमारे अपौजी ान के भाई मगरमच्छ के आसू बहा कर गये है, मगर उनको यह पता नही कि हमारे हरिजन भाईयो और बैकवर्ड क्लास के भाईयो के साथ क्या क्या अत्याचार हुए हैं हम लोग मोखरा गांव मे जलसे मे गये थे। उसमे हमारे श्री धर्मपाल एम0पी0 चौधरी , राजेन्द्र सिह मिरिनस्टर, कर्नल राव सिंह मिनिस्टर और जीन्द जिले के काग्रेस अध्यक्ष बाबू दयाकृश्ण थे। मै भी उनके साथ ही गया था लेकिन उस जलसे के इन लोगो ने जो हुल्लडबाजी और हमारे बेइज्जती की उसकी कोई इन्तहा नही थी। इसी तरह से हमारे बैकवर्ड क्लास मे और हरिजनों की गिरावड गांव मे बेइज्जती की। एक हरिजन रामदासियों ने झडा लगा लिया उसकी भी बेइज्जती की, मारपीट की । जब हमारे पास इस बारे मे

ि ाकायत आयी तो हम वहा पर पहुचें । वहा पर पहुचने पर चौधरी देवी लाल के पोते ने और दाढी वालो ने जो चौटाला से आये थे, मेरे लडके तथा गनमैन की पिटाई की । अगर हम लोग भाान्ति से कम लेते है तो हमारे लोगो के साथ ऐसा व्यवहार होता है। अगर हमारे साथ गनमैन ने होता तो इससे भी बुरी होती।

श्री लछमन सिंहः अगर गनमैन होते हुए भी पिटाई हो गई तो फिर गनमैन का क्या फायदा ?

चौधरी कुन्दन लालः अगर आप मौके पर होते तो उस वक्त आपको पता चलता। हमारी एक महिला वर्कर जो धानक बिरादरी से थी, उसने हिम्मत करके उस झडे को लगाया। उसके साथ भी मार पीट की गई। इसी तरह से मौखरा गांव के आदमियों ने हमारे हरिजन और बैकवर्ड लोगो को पीटा और उन्हे घरों से बाहर तक नही निकलने दिया। हमारे साथ टेकनपुर गांव मे ऐसा ही हुआ । यह हालत है इन लोगो की।

श्री अध्यक्षः आप खत्म करे।

चौधरी लीला कृश्णः स्पीकर साहब, मैने भी आज सुबह एक काल अटैन ान मो ान आप की सेवा मे पे ा की थी । चार और पांच अगस्त के बीच की रात को हिसार जिले मे बडे जोर की वर्शा हुई जिस से फसलों तथा मकानो को काफी नुक्सान हुआ। खासतौर पर फतेहबाद तहसील मे ज्यादा नुकसान हुआ। यह मेरी मो ान एडमिट हुई है या नही ?

श्री अध्यक्षः इस बारे मे अभी इस तरह की मो ान का जवाब आ रहा है आपको उस समय सवाल पूछवा देगे।

राजस्व राज्य मंत्री द्वारा – जिला महेन्द्रगढ और भिवानी मे फसल के हुए नुकसान सम्बन्धी।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मेम्बर्ज सर्वश्री निहाल सिंह, सुरेन्द्र सिंह, एम0एल0एज0 के काल अटैन ान मो ान्ज के नोटिस नम्बर 1–2 जो कि डिस्ट्रिक्ट महेन्द्रगढ और भिवानी मे औप्स के नुकसान एटसैटरा के बारे मे थे उस पर आज मिनिस्टर साहब ने स्टेटमैंट देने के कहा थां। मिनिस्टर साहब अब अपनी स्टेटमैंट दे दे।?

राजस्व राज्य मंत्री(श्री लछमन दास अरोडा) माननीय सदस्यो ने पिछले पांच वर्शो मे जिल महेन्द्रगढ मे अपर्याप्त वर्शा एवम जिला भिवानी मे भारी वर्शा के कारण से खरीफ की फसल को हुई हानि की और राज्य सरकार का ध्यान आकर्शित किया है। इन जिलों की वर्तमान वास्तविक स्थिति नीर्च वर्जन की जाती है।

जिला महेन्द्रगढ

यधपि व्यवहारिक तौर पर सारे हरियाणा राज्य मे वर्शा लगभग एक पखवाडा देर से हुई, तथापि अगस्त 1985 के अन्त तक तहसील नारनौल मे वर्शा नार्मस से 103.8 मि0 मि0 अधिक और तहसील महेन्द्रगढ मे नार्मल वर्शा 8.81 मि0 मि0 अधिक वर्शा हुई। परन्तु रिवाडी तहसील मे अगस्त 1985 के अन्त तक वर्शा सामान्य से 30.5 मि0मि0 कम हुई थी। तहसील रिवाडी मे सामान्य

से कम हुई वर्शा का व्यवहारिक रूप से खडी खरीफ फसलों पर कोई प्रभाव नही हुआ। इसक विपरीत, मास सितम्बर के तीसरे सप्ताह के दौरान हल्की बौछाड खडी खरीफ फसलो के लिए लाभदायक सिद्ध हुई है और आगामी रबी ऋतु मे बेहतर फसल के लिस भी सहायक होगीं। महेन्द्रगढ जिले की प्रमुख खरीफ फसल बाजरा है निर्धारित 1.50 लाख हैक्टेयर क्षेत्र लछय की तुलना मे इस समय 1.35 लाख हैक्टयर क्षेत्र मे फसल हुई है जो कि निर्धारित लछय का 90 प्रति त बनता है। तथापि रिपोर्ट है कि जिले के कुछ जिले के कुछ इलाके मे जुलाई महीने के अन्तिम पखवाडे मे लगातार वर्शा होने के कारण बाजरा फसल की पैदावार पर कुप्रभाव पडा है। सरकार द्वारा सूखा जैसी आपदाओ से प्रभावित किसानों की कठिनाईयो को दूस करने बारे आव यक पग उठाए जाते रहे है इस समय श्री उपाध्क्ष पदासीन हुए। रबी 1984–85 के दौरान सूखे की स्थिति से खडी फसलो पर बुरा प्रभाव पडा था और किसानो द्वारा चालू खरीफ की फसलो को उगाने हेतु साहयता देने के उददे य से खाद की खरीद पर 25 प्रति त की दर से सबसिडी उपलब्ध करने के लिए इस जिला को 15.25 लाख रूपए की रा ि ा पहले ही अलाट की जा चुकी है इसी प्रकार सस्ते भाव पर खाद उपलब्ध करने के लिए रबी 1982.83 मे 27.53 लाख रूपए खर्च किए गए क्योकि पिछली खरीफ मे सूखे के कारण से किसानो को नुकसान हुआ था। इसी प्रकार सस्ते भाव पर खाद उपलब्ध करने के लिए रबी 1981.82 मे भी 15.18 लाख

रूपए खर्च किए गए थे। कथित वर्श मे महेन्द्रगढ जिले मे भूमि सरंक्षण स्कीमे चलाने के लिए 4.50 लाख रूपए अलाट किऐ गये।

(2) जहा तक सरकारी एवम बैको के कर्जो की वसूली को स्थापित करने बारे माननीय सदस्य की मांग का प्र न है, यह गिरदारी मे द र्ाये जाने वाली फसल पर निर्भर करेगा जो सामान्य तौर पर पहली अक्तूबर को आरम्भ होती है और परिणाम मालूम होने पर इस सम्बन्ध मे आव यक कदम उठाये जायेगे। सरकार जरूतमंद किसानो को चारा तकाबी भी उनकी आव यकता अनुसार देगी। इसी तरह यह भी आव यक है कि किसानों द्वारा अगली रबी फसल उगाने के लिए आव यक प्रबन्ध सुनि चत किए जाये। इस उददे य से विभिन्न रबी तेल बीजों और दालो की फसलो के लिए 200/– रूपए प्रति क्विटल की दर से प्रमाणित बीजो पर सबसीडी उपलब्ध की जा रही है। और जिला महेन्द्रगढ के लिए पर्याप्त स्टाक का प्रबन्ध किया गया है गन्दम ओर जौ के प्रमाणित बीज भी कम ा 20 रूपए एवम 50 रूपए प्रति क्विटल की दर से सबसिडी के तौर पर उपलब्ध किये जायेगे। यदि आव यक समझा गया तो रोजगार कार्यो के लिए अतिरिक्त धन रा ि ा उपलब्ध की जाएगी । किसानों को अल्पकालीन ऋण के रूप मे आसानी से सहकारी कर्जे दिलाने के लिए भी पग उठाये जा रहे है।

जिला भिवानी

3. यधपि भिवानी जिले मे वर्शा लगभग एक पखवाडा देर से आरम्भ हुई तथाति जिले मे जुलाई 1985 के दूसरे सप्ताह मे वास्तविक वर्शा सामान्य से अधिक थी बाजरा जिला भिवानी की मुख्य फसल है और 2ण्35 लाख हैक्टयर क्षेत्र के निर्धारित लक्ष्य की तुलना मे वास्तविक फसल लगभग 1.90 लाख हैक्टयेर क्षेत्र मे बोई गई है जिले के कुछ भागो मे जुलाई के दूसरे पखवाडे मे लगातर वर्शा से बाजरे की बढौतरी पर बुरा प्रभाव पडा जिसके फलस्वरूप किसानो को फसल दोबारा बोनी पडी । अगस्त के तीसरे सप्ताह मे लगातार और रूक रूक कर हुई वर्शा के कारण से खडी फसलो मे सुधार होने की सम्भावना है और यह जिले मे रबी की फसलो को वि ोश कर चना और तेल बीजो को उगाने मे भी लाभदायक सिद्ध होगी।

कुछ अधिक प्रभावित गावो मे वि ोश गिरदावरी के आदे ा दिए गए है जिसका परिणाम इस मास के अन्त तक मालूम हो जाएगा। इसलिए सहकारी कर्जो के स्थगन हेतू आव यक कदम इस गिरदावरी और सामान्य गिरदावरी जो पहली अक्तूबर से आरम्भ होगी, के फलस्रूप द र्ाये जाने वाली फसल की स्थिति के आधार पर उठाये जायेग। तथाति सरकार प्रभावित किसानों को चारा तकावी दे देगी विभिन्न रबी फसलो के लिए सस्ती दरो पर प्रमाणित बीज उपलब्ध करने के लिए भी पर्याप्त प्रबन्ध किये जा रहे है जिला भिवानी को पर्याप्त सप्लाई सुनि चत करने के लिए भी पग उठाये जा रहे है।

4. अन्त मे मै सदन के सदस्यो को यह वि वास दिनाना चाहूगा कि सरकार किसानों की जरूरतो के लिए पूरी तरह जागरूक है और प्रभावित किसानों को अधिक से अधिक सम्भव सहायता देने से कोइ कसर बाकी नही छोडी जाएगी। इस के अतिरिक्त सभी क्षेत्रो मे भूमि जोतकर तथा आवियाना की मुआफी भी निर्धारित दरो के अनुसार दी जायेगी व जो भी और सहायता जैसे तकावी, सहकारी एवम अन्य कर्जो का स्थगन, अगली फसलो के लिए इनपुटस उपलब्ध करना इत्यादी फसलों का सही नुकसान मालूम होने पर दी जायेगी।

श्री निहाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, गिरदावरी के बाद साबित हो जाएगा कि फसल की बीजाई ही नही हई है। उस इलाके मे जहा पर बीजाई भी नही हुई है। उसके इलाके मे जहा पर बीजाई भी नही हुई है। वहा पर कर्जे तो मुबलवी किए ही जांए। इसके अलावा कर्जो के ऊपर जो इन्ट्रैस्ट है, वह भी राईट आफ किया जाए। इसके बारे मे मंत्री महोदय ने कोई जवाव नही दिया है। दूसरी बात यह है कि लोगो को रोजगार देने के लिए कौन सी स्कीम है जिसके तहत उनको रोजगार मुहैया किया जाएगा? जहा पर फसल फेल हुई है क्या इस बारे मे मंत्री जी को बताने की कृपा करेगे क्योंकि उन्होने अपने जवाब मे इस बारे मे कुछ भी नही कहा है।

श्री लछमन दासः अभी हमारे माननीय सदस्य मे जो इन्ट्रेस्ट वेव आफ करने के बारे मे बात कही है मै उसके बारे मे

बताना चाहूगा । जहा तक इन्ट्रैस्ट का सवाल है, सारा पैसा तकरीबन बैको बगैरा का है हम इसके लिए यह विचार कर रहे है कि रिपार्ट आने के बाद हम उनको इस बारे मे कुछ सहूलियत देने की कोि ा ा करे। जहा तक लोगो को रोजगार को एन0आर0ई0पी0 के तहत दिया है जिससे वहा पर लोगो को काम मिलेगा । इसके अलावा 14 लाख रूपया इसके तहत हमे वर्ल्ड बैक ने भी दिया है।

श्री निहाल सिंहः जो नई रबी का आप रही है उसके लिए लोगो को ज्यादा पानी की सुविधा देने के लिए, नहरी पानी देने के लिए, बिजली बगैरा प्रायरिटी बेसिज पर देने के लिए कोई योजना बतायेगे। अगर हा तो वह क्या होगी?

श्री लक्षमन दासः यह तो हमने अपने जवाब मे डिटेल मे बता दिया है कि हम उनको बिजली और नहरी पानी बगैरा देने मे प्रैफरेस देगे।

श्री निहाल सिंहः किस किस्म का प्रैफरैंस देगे ?

श्री लक्षमन दासः रिपोर्ट आने के बाद सारी स्कीम बनाकर आपके सामने रखेगे। हम हर हालत मे उनको प्रैफरैस देगे।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने यह बताया है कि 20 लाख रूपया एन0आर0ई0पी0 के तहत दिया गया है मै यह जानना चाहता हू कि उसमे किस किस्म

की मजदूरी के काम होगे। इसके अलावा एक बात और कहना चाहता हू राव निहाल सिह जी ने कहा है कि बिजली और पानी के बारे मे उस इलाके को ज्यादा प्रैफरैस मिलना चाहिए ताकि रबी की फसल की बिजाई भी हो सके। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे इलाके मे खासकर भिवानी जिले मे बहुत सा इलाका ऐसा है जिसमे टयबूवैल का पानी लगाता है और बहुत से हमारे किसान भाईयों ने टयूबवैल कलैक ान्ज के लिए दरखास्ते भी दे रखी है जो पैडिंग पडी है। बिजली बोर्ड का एक सरकुलर है कि जिस किसान ने दरखास्त दे रखी है और वह कनैक ान मिल जाएगा। डिप्टी स्पीकर साहब, यह बहुत ही मु कल बात है। किसी किसान के कनैक ान के लिए 5 खम्बो की जरूरत पडती है और किसी के लिए ट्रासफर की जरूरत पडती है कोई भी किसान यह सब सामना अपना खरीद कर दे नही सकता। इसलिए मै मुख्यमंत्री जी से यह प्रार्थना करूगा कि वह बिजली बोर्ड के अधिकारियों से बात करके उस इलाके मे जा गिरदावरी यह साबित कर दे कि वहा पर वाकई बहुत नुकसान हुंआ है 70 से 80 फीसदी तक नुकसान हुआ है उस सरकुलर को वेव आफ करने की कृपा करे और बिजली बोर्ड की तरफ से उनको कुनैक ान जल्दी दिया जाए।

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल): उपाध्यक्ष महोदय जहा तक बरसात की वजह से फसलो के नुकसान का ताल्लुक है हम उसके बाकायदा पहली अक्तुबर से गिरदावरी भाुरू करने जा रहे है गिरदवारी की रिपार्ट आएगी, उसके आधारो पर बाकायदा नार्म्ज

बने हुए है कायदे कानून के मुताबिक उनको रियासत दी जाएगी। एक बात सुरेन्द्र सिंह जी ने ठीक कही कि जहा पर किसान की फसल बरबाद हो गई है अगर वहापर भी किसान को कनैक ान न मिले तो कोई अच्छी बता नही है ऐसे एरियाज मे हम कोि ा ा करेगे कि कुछ प्रायरिटी के आधार पर उनको प्रायरिटी दिलाकर कनैक ान दे। हम कितने दिला सकेगे, यह तो बोर्ड से बैठ कर बात करने के बाद ही पता चलेगा।

श्री निहाल सिंहः मान लो कोई किसान पैसा भी भर देता है फिर तो उसको कनैक ान मिलना ही चाहिए।

चौधरी भजन लालः यह बोर्ड का मामला है हम उनसे बताचीत करके इस बात की कोि ा ा करेगे कि उनको प्रायरिटी के आधार पर कुछ कनैक ान मिल जांए।

चौधरी सुरेन्द्र सिहः डिप्टी स्पीकर साहब, मै एक बात के लिए और अपनी सरकार से दरखास्त करूगा। उस इलाके मे जहा पर नहरी पानी भी अब तक नही गया है, थोडा सा ज्यादा पानी भी दे ? क्योकि कुछ नहरे ऐसी है जो 12 मासी नही है। उन नहरों मे डी सिलटिंग बडी देर की डयू है। मै मुख्य मत्री जी से प्रार्थन करूगा कि ऐसी नहरो मे जहा बरसात नही हुई है और डीसिलटिग भी डयू है वहा डी सिलटिंग करवा दे। इससे वहा के लोगो को मजदूरी भी मिलेगी और नहरो का काम भी हो जाएगा। मंत्री महोदय ने बताया है कि 20 लाख रूपया देकर हम काम

करवा रहे है एक तो नहरो की डी सिलटिंग का काम करवा दे और दूसरे नहरो मे कुछ पानी चलवाने की कोि ा ा करे।

चौधरी भजन लालः डिप्टी स्पीकर साहब, जहा तक पानी का ताल्लुक है आप जानते है हमे सारे हरियाणा को देखना पडता है क्योकि हमारे यहा नहरी पानी की कमी है। पिछले दिनो एक नहर की एक साइड की पटरी गिरने की वजह से तकरीबन एक महीने तक नहर लगातार बन्द रही। बहुत से एरियाज जिनमे हिसार और सिरसा भी भाामिल है को भी हम पानी नही दे पाए है फिर भी हम यह कोि ा ा करेगे कि एक पानी, जिससे बाजरे का खडी फसल पक सकती है वह उनको अव य मिल जाए। इससे बाजरे की फसल जा पर खडी है पक जाएगी और चना भी बोया जा सकेगा। अगर हम एक बार पानी दे देगे तो इसमे दोनो काम चल सकते है जा तक महेन्द्रगढ, भिवानी, हिसार और सिरसा आदि एरियाज का सवाल है, इन एरियाज मे भी हम कोि ा ा करेगे कि नहरो मे ज्यादा पानी चलाए ताकि वहा पर चने और सरसों की फसल बोई जा सके और जो खडी फसल है वह पक सके।

चौधरी लीला कृश्णः डिप्टी स्पीकर साहब, वैसे तो मेरा मो ान भी एडमिट होना चाहिए लेकिन चूकि आपने मुझे सवाल पूछने का मौका दे दिया है मै यह बताना चाहता हू कि 4–5 तारीख के बीच की रात फतेहबाद, हिसार और सिरसा के इलाके के लिए एक भयानक रात थी । 24 घटे तक लगातार मूसलधार बारि ा होती रही । हजारो लोग बेघर हो गए। बहुत सी

कालोनीया पानी मे डूब गयी। 10–20 कालोनीयो तो नगर मे थी और मेरे हल्के मे तकरीबन तमाम गांवो मे कोई कच्चा मकान नही बचा। हम मुख्य मंत्री महोदय के इस बता के आभारी है कि उन्होने है कि इलाके का दौरा किया और केवल 400 रूपए कच्चे मकान के लिए और 500 रूपए पक्के मकान के लिए देना निर्धारित किया लेकिन क्या आप यह नही समझते कि यह एक मजाक है ? इतना बडा नुकसान हुआ है कि लोगो की झोपडी, लोगो के कच्चे मकान और यहा तक की पक्के मकान नजर ही नही आते कि कहा पर थे। मै यह मानता हू कि राहत कार्य हुए है लेकिन लोग अब भी एग्जिस्टैस के लिए तडफ रहे है मै मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोधा करूगा कि मेरे कुछ सुझाव है उन पर गोर फरमा ले। पहला तो यह है कि जो ग्रान्ट उन मकानों के लिए मजूर की गई है, यह बहुत थोडी है इसको बढाया जाए। इसके अलावा वहा पर बाढ की स्थिति पैदा हो गई थी करोडो रूपए की फसल तबाह हो गई है उनको मुआवजा दिया जाए। यह काम वार लैवन पर किया जाए। जिन लोगो ने कर्जे ले रख है चाहे वह नैं ानेलाईज्ड बैको के लिए हो, चाहे कोआप्रेटिव बेको से लिए हो, वह कम से कम मुलतबी किए जाए और उनको कुछ सूद के मामले मे भी छूट दी जाए। इसके अलावा आबपा ाी के लिए चूकि हमारे हल्के मे टयूबवैल बहुंत ज्यादा तरह से का त कर सके। यही मेरी आपसे रिक्वैस्ट है

16.00 बजे

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि तीन जिलो मे बरसात एकदम ज्यादा होने की वजह से काफी नुकसान हुआ है हिसार , सिरसा और जीन्द जिलो मे तकरीबन 94 हजार मकान कच्चे और पक्के मिलाकर गिर गये थें डिप्टी स्पीकर साहब, चार सौ रूपया कच्चे मकान के लिए दिया गया और पांच सौ रूपया पक्के मकान के लिए दिया गया । चार सौ रूपया या पांच सौ रूपए से क्या बनता है यह हम अच्छी तरह से जानते है 91 लाख रूपया अब तक हम सहायता के रूप मे भेज चुके है और 50 लाख रूपया और भेजने जा रहे है। चार सौ रूपया थोडा है इस चीज को देखते हुए हमने भरत सरकार को लिखा है कि पांच हजार पक्के मकान के लिए और अढाई हजार रूपया कच्चे मकान के लिए सहायता के रूप मे मिलना चाहिए। भारत सरकार से उस चिट्ठी का जवाब नही आया है। हम भारत सरकार से बातचीत करेगे। भारत सरकार जितना पैसा देगी सारी का सारा पैसा इन लेागो की मदद के लिए हरियाणा सरकार भिजवाएगी ताकि गरीब लोगो की सहायता हो सके । डिप्टी स्पीकर साहब, दूसरी बताय यह कही गई कि जिन किसानो ने बैको से कर्जा लिया हुआ है वह मुलतवी होना चाहिए। इस बारे मे डिप्टी स्पीकर साहब मै यह कहना चाहता हू कि ज्यो ही गिरदावरी की रिपोर्ट आएगी, हम कोि ा ा करेगे कि जिन किसानो ने बैकों से कर्जा ले रखा है वे बैक के कर्ज अगली फसल तक मुलतवी कर दे ताकि किसानों की कुछ मदद हो सके।

सप्लीमेटरी ऐस्टीमेटस फर्स्ट इन्सटालमैंट 1985–86 पर चर्चा तथा मतदान

(I) राज्य के राजस्व पर प्रभारित खर्चे के अनुमानो पर चर्चा।

(II) अनुपुरक अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान

श्री उपाध्यक्षः अब वर्श 1985–86 के सप्लीमेटरी एस्टीमेटस फर्स्ट इण्स्टालमैंट पर डिस्क ान होगी। पहली प्रैक्टिस के मुताबिक और हाउस का टाईम सेव करने के लिए आर्डर पेपर पर रखी गई all demands will be deemed to have been read and moved. आनरेबल मैम्बर्ज किसी भी डिमांड पर डिस्क ान कर सकते है लेकिन बोलने से पहले वे उस डिमांड का नम्बर बता दे जिस पर वे बोलना चाहते है डिस्क ान के बाद डिमाडज हाउस की वोट के लिए पुट की जाएगी।

That a supplementary sum not exceeding Rs. 2000000 for rtevenue expediture be granted to the Government to defray charge that wil come in the course of payment for the year endign 31st March 1986 in respect for Demand No. II Urban Development.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 3800000 for rtevenue expediture be granted to the Government to defray charge that wil come in the course of payment for the

year endign 31st March 1986 in respect for Demand No. 16 Development

That a supplementary sum not exceeding Rs.6500000 for rtevenue expediture be granted to the Government to defray charge that wil come in the course of payment for the year endign 31st March 1986 in respect for Demand No. 25 No. 25 Loans and Advances by State Government.

श्री भले रामः डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार ने इस हाउस से दो करोड छ लाख रूपया सप्लीमैटरी ऐस्टीमेटस की भाक्ल मे मांगा है मै डिमान्ड नम्बर 11 जो अर्बन डिवैल्पमैंट की डिमाड है के बारे मे बोलना चाहता हूं।

Finance Minister (Shri Sagar Ram Gupta) : I would like ot make one point. These is one demand No. 8 which is a charged item and on that demand there will be discussion only and not voting.

श्री भले रामः उपाध्यक्ष महोदय, सरकार ने इस डिमान्ड द्वारा बीस लाख रूपया जो सैट्रल गवर्नमैंट ने दिया था, वह मांगा हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा मे बहुत सारी लोकल बौडिज है उन सभी का अगर ध्यान रखा जाए तेा बहुत अच्छा रहे। कुछ भाहरो तो ऐसे है जहा पर आज तक बहुत कम पैसा दिया गया है। वहा फलड भी आते है सिवरेज सिस्टम भी खराब है और रोडस भी खराब है मिसाल के तौर पर हमार गेाहान भाहर है वहा पर जो सिवरेज का सिम्टम है वहा बडा डिफैक्टिव है। बरसात के

दिनां मे सारी नालिया रूक जाती है। बरसात के पानी को डिस्पोज आफ करने का कोई प्रबन्ध नही है इसका नतीजा यह होता है कि नालियो फुल होकर पानी वापिस आ जाता है और इस वहज से गन्दगी बढती है। सिवरेज का जो पानी है वह वाटर स्पलाई की पाईप लाईन मे भी चला जाता है जिससे पीने का पानी गन्दा हो जाता है इस वहज से बीमारी फैलने का डर रहता है इसलिये मेरी सरकार से दरखास्त है कि गोहाना तहसील को ज्यादा से ज्यादा पैसा देना चाहिए ताकि इस बैकवर्ड ऐरिया का भला हो सके। वहा हर साल फलड आते है जिसकी वजह से सिवरेज सिस्टम खराब हो जाता है ओर सडके टुट जाती है और नालियो मे पानी भर जाता है हरियाणा सरकार को सारे भाहरो को सुन्दर बनाना चाहिए लेकिन हालत यह है कि आज तक भाहरो को इम्प्रूव करना है गलियों को ठीक करना है और स्लम एरियाज की हालत को सुधारना है इतने बडे काम के लिए बीस लाख रूपया बहुत कम है मै चाहूगा कि गोहाना को ज्यादा से ज्यादा पैसा दिया जाए जिससे वहा पर कुछ इम्प्रूवमैंट हो सके।

डिप्टी स्पीकर साहब, दूसरी डिमान्ड 16 नवम्बर है जो हैन्डलूम के बारे मे है। हरियाणा स्टेट हैण्डलूम एण्ड हैन्डीआफटस कारपोरे ान का भोयर कैपीटल बढाने के लिए 38 लाख रूपया इस डिमाण्ड द्धारा मांगा गया है और इसी कारपोरे ान की 65 लाख रूपया पानीपत मे एक फिनि ंाग प्लाट लगाने के लिए दिया जा रहा है डिप्टी स्पीकर साहब, इस कारपोरे ान का जो

औबजैक्टिव था वह पूरा नही हुआ है इस कारपोरे ान का औबजैक्टिव यह था कि गांव मे जो ट्रेडी ानल जुलाहे है जो हाथ से कपडा बनाते है उनके बच्चो को सैन्टर्ज खोलकर ट्रेनिग दें और उनकी मदद करे ताकि वे अच्छा काम कर सके। उपाध्यक्ष महोदय हमारे हरियाणा मे 113 के करीब सैन्टर्ज है जहा पर बच्चो को ट्रेनिंग दी जाती है और एक सैन्टर मे पन्द्रह लडको को ट्रेनिंग दी है। उपाध्यक्ष महोदय इस कारपोरे ान को पांच सात साल बने हो गए है लेकिन आज तक इतने थोडे से लडको को ही ट्रेनिग दे पाई है। करापोरे ान का फर्ज बनता है कि जुलाहो के लडको को खडिडयों पर ट्रेनिग देने के बाद उनको कर्जा दे, उनकी खडिडयां लगाने मे मदद करे लेकिन यह कारपोरे ान ऐसा नही करती । वे लडके कहा जाते है इस बात की इस कारपोरे ान को बिल्कुल परवाह नहीहै इस कारपोरे ान का औबजैक्टिव था कि वह इस तरह के लोगो को एम्पलायमैट दे लेकिन इस दि ाा मे यह कोई अच्छा काम नही कर रही है। मै सरकार से प्रार्थना करूगा कि लडको की ट्रेनिग के लिए अधिक से अधिक सैन्टर्ज खोले जाए। ये सैन्टर्ज गांवो मे खोले जाए। पन्द्रह लडको की बजाये ज्यादा लडको को दाखिला दिया जए। डिप्टी स्पीकर साहब, यह देखा गया है कि लडके बीच मे ही ट्रेनिग छोड कर भाग जाते है और इसका कारण यह है कि उनको केवल सौ रूपया महीना स्टाईपैड के रूप मे दिया जाता है मै समझता हू कि यह रूपया बहुत थोडा है और इसी कारण से वे भाग जाते है इसलिए उनका स्टाईपैड बढाया जाना चाहिए। मेरी सरकार से यह

भी प्रार्थना है कि हैण्डलूम कारपोरे ान को ज्यादा से ज्यादा पैसा देना चाहिए और सबसिडी देनी चाहिए। तभी हम हैण्डलूम कारपोरे ान बनाने का औबजैक्टिव अचीव कर पाएगे। इन भाब्दो के साथ मै हाउस से प्रार्थना करूगा कि ये डिमान्डज पास कर दी जाए।

चौधरी लीला कृश्णः डिप्टी स्पीकर साहब, मै डिमान्ड नम्बर 25 के बारे मे कुछ भाब्द कहना चाहता हू ।यह पैस सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने दिया है डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा मे जितनी उधारता से लोगो को कर्जा दिया जात है मेरे ख्याल मे किसी और राज्य मे इतनी उदारता से कर्जे तथा पे ागियां नही दी जाती। यह बात भी ठीक है कि इडस्ट्रीज के लिए सरकार की और से काफी साधन जुटाए जाते है लेकिन फिर भी बहुत सारी ऐप्लीके ानज पैडिग रहती है। डिप्टी स्पीकर साहब, आज उधोग का युग है और आज हमारे नौजवानों को आसानी से नौकरी नही मिलती। सकरार की तरफ से यह पूरी कोि ा ा होती है कि अनइम्पलाएमैंट खत्म हो लेकिन फिर भी बहुत नौजवान को उदारतापूर्वक कर्जा दिया जाए ताकि वे इडस्ट्री लगा सके ओर अनएम्पलाएमैंट खत्म हो मै समझता हूं इसी तरह से हरियाणा की काया कल्प हो सकती है। इस तरह के बजटस मे बढा चढा कर पैसा रखा जाए जिससे नौजवाने को काम मिले और कोई भी अनएम्पलाएड न रहे। डिप्टी स्पीकर साहब, अनएम्पलाएमैंट से उग्रवाद पनपता है इसलिए मे सरकार से अनुरोध करूगा कि ये

ऐस्टीमेटस तो मन्जूर होगे ही लेकिन फयूचर के लिए इन मदों मे अधिक धन रखा जाए।

वित मंत्री (श्री सागर राम गुप्ता): डिप्टी स्पीकर साहब, आज हाउस के सामने बहुत थोडी अमाउट की डिमाडज पे ा की गई हैं एक दो प्वायटस जो आनरेबल मैम्बर्ज ने बोलते हुए यहां कहे है उस के बारे मे अर्ज करता हू श्री भले राम जी ने बोलते हुए यह ि ाकायत की है कि 20 लाख रूपए की रा ि ा स्लमकलीरेन्स के लिए बहुंत थोडी रखी गई है मै उनको बताना चाहता हू कि यह रा ि ा हमे भारत सरकार ने स्लम क्लीरेन्स के लिए म्यूनिसिपल कमेटिया को बाटने के लिए मिली है यह बात ठीक है कि यह रकम बहुत थोडी है इस के साथ ही उन्होने दूसरी बता यह कही कि गोहाना के अन्दर सीवरेज वाजिब है इस बात को हम देख लेगे मै इस बारे मे अपने कुलींग पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर साहब से निवेदन कर दूगा। इस के साथ साथ हैण्डलूम कारपोरे ान के बारे मे भी उन्होने कुछेक बाते कही है भाायद उन्होने इस बारे मे पी0यू0सी0 के मैम्बर होने के नाते एग्जामिन किया होगा। हो सकता है कुछ कमियां उन्होने इस मे पाई हो लेकिन इस कारपोरे ान ने कम बहुत किया है और आज हमारे पानीपत के अन्दर हैन्डलूम सैन्टर्ज की जितनी डिवैल्पमैन्ट हुई है वह सारे हिन्दुस्तान मे ता क्या सारी दूनिया मे उस की म ाहूरी हुई है इस के लिए इस कारपोरे ान का काफी कट्रीव्यू ान है लेकिन फिर भी हम अपनी तरफ से यह पूरी को ि ा ा करेगे कि

इस कारपोरे ान की फक ानिंग मे आगे से सुधार हो और किसी किस्म की कमियां हमे न दिखाई दे। जो छोटी मोटी कमी इस कारपोरे ान की फक ानिग मे होगी, हम उसे हर सम्भव कोि ा ा से दूर करने का यत्न करेगे। इस के साथ साथ हम यह भी कोि ा ा करेगे कि इस कारपोरे ान के द्वारा देहात के लोगो ज्यादा से ज्यादा ट्रेनिग दी जाए ताकि वे लोग काम सीख कर अपना उधोग धन्धा स्थापित कर सके और अपना पालना पोशण अच्छी तरह से कर सके। वजीफो के बारे मे भी हम पूरी कोि ा ा करेगे और वाजिब हुआ तो हम इस की रा ि ा को बढा देगे।

इसके साथ श्री लीला कृश्ण जी ने जो सुझाव दिया है वह बहुत अच्छा सुझाव है। स्टेट की सरकार पूरी तरह से इस कोि ा ा मे लगी हुई है कि इडस्ट्रीज लगाने के लिए प्रदे ा के अन इम्पलायड लोगो को ज्यादा से ज्यादा धन उपलब्ध कराया जाए। मै उन को यह बताना चाहता हू कि सरकार नौ जवानो को कर्जो के साथ और दूसरी प्रकार की जितनी भी सहूलियते है वे उपलब्ध कराने की हर सम्भव कोि ा ा कर रही है ताकि प्रदे ाो के नौजवानो को अपना काम धन्धा चलाने मे किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पडे। इन भाब्दो के साथ मै निवेदन करूगा कि इन डिमाडज को पास किया जाए।

श्री उपाध्यक्षः अब मै डिमाडंज वोटिग के लिए पुट करता हूं।

Question is-

That a supplementary sum not exceeding Rs.2000000 for rtevenue expediture be granted to the Government to defray charge that wil come in the course of payment for the year endign 31st March 1986 in respect for Demand No. 11 Urban Development.

The Motion was carried

Mr. Deputy Speaker: Question is-

That a supplementary sum not exceeding Rs. 3800000 for capital expediture be granted to the Government to defray charge that wil come in the course of payment for the year endign 31st March 1986 in respect for Demand No. 16 Urban Development.

The Motion was carried

Mr. Deputy Speaker: Question is-

That a supplementary sum not exceeding Rs. 6500000 for capital expediture be granted to the Government to defray charge that wil come in the course of payment for the year endign 31st March 1986 in respect for Demand No. 25 Loans and Advances by state Government .

The Motion was carried.

श्री उपाध्यक्षः अब सदन कल प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थगित किया जाता है।

16.13 बजे

(तत्प चात सदन भानिवार दिनांक 28.9.1985 को प्राप्त 9.30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ।)

ANNEXURE

Recrultmetn made by the Haryana State Cooperative Land Development Bank

***1029. Shri Ram Bilas Sharma.** Will the Minister of State for Cooperation be pleased to State-

(a) the total number of employees working at present on permanent, temporary and daily wages basis in the Haryana State Cooperative Land Development Bank, Chandigarh separa tely;

(b) the number of class IV employees out of the employees referred in part above together with the names and permanent addresses thereof,

(c) the categorywise number of employees out of the employees mentioned in part a above recruited during the period form May, 1982 to June 1985 and

(d) the caiteria adopted for the recruitment of the employees as refeeed to in part c above ?

Minister of State for Cooperatiion (Shri Piara Singh):

(a) A statement showing the requisite information is laid on the Table of the House (Annexure A)

(b) A statement giving the requisite information is laid on the Table of the House (Annexure B)

(c) A statement giving the requisite information is laid on the Table of the House (Annexure C)

(d) The appointment were made on the basis of merit and suitability of the candidates

ANNEXURE-A

Total No. of employees working at present in Haryana State Cooperative Land Development land Ltd Chandigarh	No of permanent employees	No of temporary employees	No of employees on daily wages
162	137	25	Nil

ANNEXURE-B

Total	No of the IV Employees	The Names of the Class IV employees	Permanent of Address of Class IV Employees
	1	2	3
	Sr No.	Sarvshri	
54.	1.	Devi Dass	Devi Dass s/o Harwari Lal, Lal Kurti Bazar H.No. 500 Ambala Cantt
	2.	Rama Nand	Rama Nand s/o Jumpha

			Ram VPO Dabwali Distt Sirsa
	3.	Kuldeep Singh	Kuldeep Singh s/o Jai Kishan Dass VPO Meham Distt Rohtak
	4.	Nathu Ram	Nathu Ram s/o kanshi Ram C/o Viadi Days Ram Ex M.L.A Hno 1702, Ward No. 940 Mandi Dabwali Distt Sirsa
	5.	Rampal Yadav	Rampal Yadav s/o Matadin Vpo Mirpur Teh Rewari Distt Mohindergarh
	6.	Puran Chand	Puran Chand s/o Rulia Ram VPO Sultanpur Teh Jagadhri Distt Ambala
	7.	Balbir Singh	Balbir Singh S/o Chandan Singh VPO Bhagwas Teh Rajpura Distt Putiala (Pb)
	8.	Bhagwan Singh	Bhagwan Singh s/o Rattan Chand Vill Seela, Po Sukaru Teh Distt Kangra (H.P)

	9.	Chhote lal	Chhotl Lal s/o Babu Ram, Vill Dhotka Purwa, Po Guauriganj Teh Amethi Distt Sultanpur U.P
	10.	Chandan Ram	Chandan Ram s/o Richhi Ram Vill Mundal Dhura Po Dabra Teh. Ranjkhet Distt Almora U.P
	11.	Chander Singh	Chander Singh s/o Tek Ram Vill Mundal Khurad Teh Hansi Distt Hissar
	12.	Dan Bahadur	Dan Bahadur s/o Harke Bahadur Malang Dands Po Tahun Distt Paipa Nepal
	13.	Ishwar Lal	Ishwar Lal s/o Dhani Ram Vill Nehra, Teh Ranikheta, Distt Almora UP
	14.	Ishwar Singh	Ishwar Singh s/o Rishal Singh VPO Dhaanana Teh Gohana Distt Sonepat
	15.	Daya Nand	Daya Nand S/o Khema Ram, VPO Kanther PO Bhagvi Teh Dadri Distt

			Bhiwani
	16.	Jaswant Ram	Jaswant Ram s/o Gautam Ram VPO Deyyal Teh Ranikher Distt Nenital UP
	17.	Jaswant Singh	Jaswant Singh s/o Duli Chand Choki No. 2 Mushapur Teh Rewari Distt Mohindergarh
	18.	Smt. Jagir Kaur	Jagir Karu w/o Prem chand Vill Paploys Teh & PO Kalka Distt Ambala
	19.	Khushal Singh	Khushal Singh s/o Narain Singh, Vill Dabhara Patiwala Teh Ranikhet Distt Almora U.P
	20.	Laxmi Kant	Laxmi Kant s/o Nirad Baura, Vill Saldha Distt Bankura W. Bengal
	21.	Mauji Lal	Mauji Lal S/o Hiral Lal Nasiranj Mangal Bazar Distt Sahabad Are Bihar
	22.	Moti Ram	Moti Ram s/o Gautam Ram Vill Kankhari Patti PO Devyal H.P.O Ram

			Nagar U.P
	23.	Mehtab Singh	Mehtab Singh s/o Parbhati Ram Vill Nikipur Teh Loharu, Distt Bhiwani
	24.	Mohan Lal	Mohan Lal s/o Mang Ram Shop No. 107 Nai Mandi Adampur Distt Hissar
	25.	Nar Bahadur	Nar Bahadur s/o Bhan Bahadur VPO Kundi Teh Betaid Nepal
	26.	Nagini Dive	Nagini Divi ww/o Bhakhtwar Singh VPO Khuda teh & distt Mujafar Nagar U.P
	27.	Om Bahadur	Om Bahadur s/o Lal Bahadur Vill Angarkhola, P.O Chatti Pani Teh Distt Palpa Napal
	28.	Padam Singh	Padam Singh s/o Balram Singh Vill Machhor Teh Ranikhet Distt Almora UP

	29.	Prem Dutt Chamoli	Prem Dutt Chamoli s/o Kola Nand, Vill Moja Patta, Pata Sarjula Po Gumbo Teh & Distt Garhawal U.P
	30.	Pritem Chand	Pritem Chand s/o Sham Lal VPO Rohla Teh Shahpur Distt Kangra H.P
	31.	Raja Ram	Raja Ram s/o Sukhi Ram Vill Dudshia Bagar Distt Gonda (U.P)
	32.	Ram Murti	Ram Murti S/o Ram Partap Vil Malgoorpur PO Niyanya Taraganj Distt Gonda U.P
	33.	Ram Saran	Ram Sarna s/o Chhotu Singh Vill Gharoli, P.O Kahdor Shapur Teh Oatti Distt Partapgarh U.P
	34.	Ram Bahdur	Ram Bahdur s/o Dan Bahadur VPO Saudhi Distt Beglung Nepal
	35.	Rattan	Rattan s/o Jiya La Hno. 1379 Sector 22 Chandigarh

	36.	Sarbati Devi	Sarbati Devi w/0 Bansi Lal Qrt. No. 1-A Block 7 Sector 24 Chandigarh
	37	Sadhu Ram	Sadhu Ram s/o Ghasitu Ram Vill Bhatiana PO Manohshial Teh Nurpur Distt Kangra H.P
	38.	Man Singh	Man Singh s/o Daljit Singh Vil Nadidhakali PO Pattan distt Batadi Nepal
	39.	Dhan Pal	Dhan Pal s/o Chander Bhan Vill Alewa Teh Distt Jind
	40.	Rakesh Kumar	Rakesh Kumar s/o Amar Chand VPO Thakloh, Teh Jawaiamukhi Distt Kangra.
	41.	Balram	Balram s/o Chet Ram Vill Nandhauri Near Bhuna Teh Fatehabad
	42.	Mange Ram	Mange Ram s/o Burmah Ram VPO Dinod Distt Bhiwani
	43.	Smt Gita Sharma	Gita Sharma w/o Barasham Dutt Sharma Hno. 691 sector 20 A

			Chandigarh
	44.	Iqbal Ahmed	Iqbal Ahmed s/o Bahir Ahmed, Vill Sukhpuri Po Umra Teh F.P Jhirkha Gurgaon
	45.	Karamvir	Karamvir s/o chiranji Lal Vill Manakhpur, Teh Kalka Distt Ambala
	46.	Paras ram	Paras Ram s/o Gajeshwar Singh, Vill Karedawar PO Akari Distt Tehrigarhewt UP
	47.	Ramesh Kumar	Ramesh Kumar s/o Ami Ram, VPo Mohara Teh Ranikhet Distt Almora UP
	48.	Baljeet Singh	Baljeet Singh s/o Sodhi Ram Vpo Balashmand Teh Hissar
	49.	Raj Kumar	Raj kumar s/o Janeshwar Dass, Hno. 46 Sector 20 Chandigarh
	50.	Sobha Singh	Sobha Singh s/o Padam Singh Kothi No. 70 Sector 21 Chandigarh

	51.	Jai Karna	Jai Karna s/o Ram Tahal Singh Vill Ranbir Nagar Po Amethi Distt Sultanpur UP
	52.	Ali Mohammed	Ali Mohammed Vill Singharlehri PO Punhana Distt Gurgaon
	53.	Ram Saware	Raw Saware s/o Shiv Parshad Vil Bodehoya, PO Khaparadi The Bikapur Ditt Falizabad
	54.	Hari Bahadur	Hari Bahadur s/o Karna Bhhadur Vill Argha Bagi Daduva Ward No. 3 PO Argha Kuranpani Dist Argha Khanchi Nepal

ANNEXURE-B

Sr No.	**Category of Emplyees**	**Number of Emplyees recruited during the period from May 1982 to June 1985**
1.	Law Officers	6

2.	Land Valuation officers	1
3.	Clerks	18
4.	Drivers	2
5.	Peons	16
	Total	43